सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भारत को एशिया कप में पाकिस्तान से खेलना चाहिए? मोहम्मद शमी ने दिया सीधा जवाब -पेज: 7

विक्रम भट्ट के एक और प्रोजेक्ट में सनी लियोनी की एंट्री -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 140 | शुक्रवार 29 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

ट्रंप टैरिफ विवाद के बीच चीन में शी जिनपिंग और पुतिन के साथ अहम बैठक करेंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। बता दें यह उनकी सात वर्षों में पहली चीन यात्रा...

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। बता दें यह उनकी सात वर्षों में पहली चीन यात्रा होगी। इससे पहले पीएम मोदी साल 2018 में चीन के वुहान में शी जिनपिंग से अनौपचारिक बैठक कर चुके हैं। इस बार की मुलाकात खासतौर पर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है जब भारत अमेरिका के साथ आर्थिक और कूटनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। अमेरिकी टैरिफ और आर्थिक दबाव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत के प्रमुख निर्यात उत्पादों जैसे इस्पात, कपड़ा और कृषि उत्पादों पर भारी टैरिफ बढ़ा दिया है। कई मामलों में ये शुल्क 50 प्रतिशत तक पहुंच गए हैं। इस टैरिफ वृद्धि से भारत के निर्यातकों को काफी नुकसान हो रहा है। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (WTO) में इस मामले पर चर्चा की है और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। साथ ही अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर पर भी दबाव बढ़ाया है बता दें जिनमें भारत भी शामिल है। यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देशों ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाए हैं, पर भारत ने अभी तक रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया है। इससे अमेरिका-भारत संबंधों में तनाव बढ़ा है। चीन के साथ धीरे-धीरे सुधरते रिश्ते भारत और चीन के बीच हाल के वर्षों में काफी तनाव रहा है, खासकर जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भी तनाव रहा। लेकिन अब दोनों देशों ने शांति कायम रखने के लिए सैन्य और कूटनीतिक बातचीत की शुरू की है। हालांकि वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर भारी सैनिक तैनाती अभी भी बनी हुई है, दोनों सरकारें तनाव कम करने की कोशिश कर रही हैं। यह बैठक इस बात का संकेत है कि भारत-चीन संबंधों में अब धीरे-धीरे सुधार की दिशा में कदम बढ़ रहे हैं। रूस के साथ गहरे रिश्तों की पुष्टि रूस यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत के साथ अपने पारंपरिक साझेदारी को मजबूत करने में लगा है। पुतिन और मोदी की बैठक में यह भी चर्चा हो सकती है कि कैसे भारत, रूस और चीन के बीच त्रिपक्षीय बातचीत को आगे बढ़ाया जाए। मॉस्को के लिए भारत एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और वे इस साझेदारी को और गहरा करना चाहते हैं। यह बैठक दोनों देशों के बीच आर्थिक, रक्षा और कूटनीतिक सहयोग के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) क्या है? शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में लगभग 20 देश शामिल हैं, जिनमें मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के देश प्रमुख हैं। यह संगठन क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और राजनीतिक संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। चीन इस सम्मेलन को वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाने और रूस को कूटनीतिक समर्थन देने का अवसर मानता है। वहीं भारत के लिए यह मंच अपनी बहुपक्षीय नीति को मजबूत करने और बदलते वैश्विक राजनीतिक परिदृश्यों में खुद को एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करने का महत्वपूर्ण जरिया है। इन सभी बैठकों और चर्चाओं के बीच भारत अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाना चाहता है। अमेरिका के साथ आर्थिक तनाव के बावजूद, भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखने का संकेत दिया है। चीन और

प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्दों पर भड़के चिराग पासवान, कांग्रेस और राजद को खूब सुनाया

बिहार (एजेंसी): कांग्रेस के एक कार्यक्रम में पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भड़क गए है। चिराग पासवान ने मीडिया से कहा कि राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में, हर किसी की अपनी राय और वोट है, और मतभेदों के कारण, कोई भाषाओं की गरिमा को कम नहीं कर सकता। भारतीय भाषाओं में शब्दों का इतना अच्छा संग्रह है और कोई भी गरिमापूर्ण शब्दों का उपयोग करके तीखे हमले कर सकता है। देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल कोई भी बर्दाश्त नहीं कर सकता। चिराग पासवान ने कहा कि अगर आपको प्रधानमंत्री के काम और सरकारी नीतियों से कुछ समस्या है, तो आप ऐसा कर सकते हैं। लेकिन आप प्रधानमंत्री के परिवार के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकते, जो सार्वजनिक जीवन से दूर हैं। उन्होंने स्थानीय गुंडों की तरह बात की है,

बिहार चुनाव: 65 लाख गरीबों के मताधिकार पर संकट? राहुल गांधी बोले- भाजपा-ईसी का पदार्फाश!

राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूचियों से 65 लाख गरीबों के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए भाजपा और चुनाव

बिहार (एजेंसी): कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि बिहार की मतदाता सूचियों से 65 लाख गरीब और सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। वोटर अधिकार यात्रा के तहत सीतामढ़ी में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बिहार के लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग को अपने वोट का अधिकार छीनने की इजाजत नहीं देंगे। उन्होंने कहा, हमने भाजपा और चुनाव आयोग का पदार्फाश कर दिया है, जो वोट चुराने में लिप्त थे... उन्होंने महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में ऐसा किया। अब वे इसे बिहार में दोहराना चाहते हैं, जो हम उन्हें नहीं करने देंगे। राहुल ने दावा किया कि आने वाले महीनों में वह वोट चोरी के बारे में और सबूत पेश करेंगे। रैली से पहले उन्होंने इलाके के प्रसिद्ध जानकी मंदिर में दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इससे एक दिन पहले बिहार के कटिहार में राहुल गांधी अपनी पतलून ऊपर चढ़ाए पानी से भरे एक खेत में उतरे और झुककर गंदे पानी से मखाने की फलियाँ तोड़ने लगे। उनके आस-पास किसान मखाने की खेती की कठिन प्रक्रिया का प्रदर्शन कर रहे थे–यह काम लगभग पूरी तरह से नदी किनारे बसे गरीब समुदायों द्वारा किया जाता है। राहुल ने सवाल पूछे, ध्यान से सुना, गंभीरता से सिर हिलाया और तुरंत महसूस किया कि किसान अपनी इतनी मेहनत के बावजूद मुख्य लाभार्थी नहीं थे। बाद में उन्होंने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें लिखा था: "मखाना बिहार के किसानों की पसीने और मेहनत की उपज है। यह हजारों में बिकता है, लेकिन उनकी कमाई चंद पैसों की होती है जबकि सारा मुनाफा बिचौलियों को जाता है। हमारी लड़ाई इस अन्याय के खिलाफ है: कड़ी मेहनत और कौशल के लिए पुरस्कार का अधिकार मजदूर का होना चाहिए।"

'जब तक मैं जिंदा हूं, ऐसा नहीं होने दूंगी, सीएम ममता बनर्जी ने वोट चोरी को लेकर भाजपा पर बोला हमला

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने देंगी। उन्होंने भाजपा पर बंगालियों पर भाषाई आतंक फैलाने का आरोप लगाया।

नई दिल्ली (एजेंसी): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने देंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा बंगालियों पर 'भाषाई आतंक' फैला रही है। कोलकाता में टीएमसी की छात्र शाखा की एक रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने के उद्देश्य से सर्वेक्षण करने के लिए देश भर से 500 से ज्यादा टीमें पश्चिम बंगाल में तैनात की हैं। जब तक जिंदा हूं... ममता ने आगे कहा कि जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी। बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग हमारे अधिकारियों को धमका रहा है। इसका अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान तीन महीनों के लिए है, पूरे साल के लिए नहीं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों की भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। ममता ने कहा कि अगर बंगाली भाषा ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस भाषा में लिखे गए हैं? वे चाहते हैं कि लोग स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों की ऐतिहासिक भूमिका को भूल जाएं। हम इस भाषाई आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगे। भाजपा पर बोला हमला ममता ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि उनकी सरकार ने कई सामाजिक कल्याणकारी पहल की हैं, वहीं केंद्र सरकार विकास के नाम पर भ्रष्टाचार में लिप्त है। सीएम ने कहा कि हम महिलाओं के लिए 'लक्ष्मी भंडार' योजना लेकर आए हैं, जबकि भाजपा के पास 'भ्रष्टाचार भंडार' और भाई-भतीजावाद है। वे देश को लूट रहे हैं, जबकि हम महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं।

तकनीकी शिक्षा का विरोध नहीं, लेकिन संस्कृति बनाए रखना जरूरी: संघ प्रमुख मोहन भागवत

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर समझाया है कि अपने घरों में अपनी भाषा, परंपरा, वेशभूषा और संस्कृति बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम किसी भी तकनीकी शिक्षा का विरोध नहीं करते। नई शिक्षा नीति लाना जरूरी था। बेहतर समाज का निर्माण संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर आरएसएस द्वारा 100 वर्ष की संघ यात्रा - 'नए क्षितिज' के तहत अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गुरुवार को संघ प्रमुख मोहन भागवत ने परिवार को एकजुट करने के तरीके भी बताए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक-दूसरे के पर्व-त्योहारों में शामिल होकर सामाजिक एकता मजबूत होती है, साथ ही प्रेम और करुणा बढ़ती है। कानूनी व्यवस्था पर भरोसा संघ प्रमुख ने कहा कि विवाद या भड़काऊ स्थिति में कानून हाथ में नहीं लेना चाहिए, बल्कि कानूनी व्यवस्था पर भरोसा करना चाहिए। हमारे देश की विविध संस्कृति में विभिन्न जाति, पंथ, और समुदाय के लोग रहते हैं. इन सबके बीच सौहार्द बनाए रखने और संबंध मजबूत करने के लिए एक-दूसरे के पर्व-त्योहारों में सम्मिलित होना बहुत जरूरी है। समाज में समरसता उन्होंने समझाया कि ऐसा करने से सामाजिक दूरियां घटती हैं और विश्वास बढ़ता है। इसके साथ ही समाज में प्रेम और करुणा की भावना पनपती है। दूसरों की खुशियों में शामिल होने से समाज में समरसता आती है और आपसी भेद-भाव कम होते हैं।

'घबराने की जरूरत नहीं है', नरम पड़े अमेरिका के तेवर तो ऐसे सुलझेगा ट्रंप टैरिफ विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी): बीते दिन बुधवार (27 अगस्त, 2025) को भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ दंड के रूप में लागू होने के बाद, सरकारी सूत्रों ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक संबंधों में एक अस्थायी स्थिति है। उन्होंने आगे कहा कि निर्यातकों को घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि अमेरिकी टैरिफ का असर गंभीर होने की संभावना नहीं है। ऐसा भारत के विविध निर्यात आधार के कारण है। टैरिफ के दायरे में दो तिहाई निर्यात भारत पर कुल टैरिफ अब 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। भारत से अमेरिका को होने वाले दो-तिहाई निर्यात अब टैरिफ के दायरे में है। इसका कीमत प्रतिवर्ष 60 बिलियन डॉलर से अधिक है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के मुताबिक, उच्च दर उन सभी भारतीय वस्तुओं पर लागू होगी जो इस समयावधि के दौरान या उसके बाद उपभोग के लिए गोदाम में प्रवेश की गई हैं या वहां से उपभोग के लिए निकाली गई हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री ने क्या कहा? कल फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत-अमेरिका संबंधों में विश्वास व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मुझे लगता है कि अंततः हम एक साथ आएंगे।" बेसेंट ने यह भी बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शीर्ष स्तर पर बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा, "यह एक जटिल रिश्ता है। राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच शीर्ष स्तर पर बहुत अच्छे संबंध हैं, लेकिन यह सिर्फ रूसी तेल तक ही सीमित नहीं है।" द्विपक्षीय व्यापार के संबंध में, बेसेंट ने ट्रंप के रुख को दोहराया और कहा कि अमेरिका का भारत के साथ बड़ा व्यापार घटा है और जब व्यापार संबंधों में विभाजन होता है तो घाटे वाले देश को लाभ होता है और सरप्लस वाले देश को चिंता करनी चाहिए। भारत झुकने के लिए नहीं तैयार उधर, भारत ने कहा है कि वह अमेरिकी दबाव के खिलाफ मजबूती से खड़ा होने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह देश के किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेंगे। जर्मन अखबार फ्रैंकफर्टर अलगेमाइन त्सितुंग (एफएजेड) ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि टैरिफ विवाद की पृष्ठभूमि में, हाल के हफ्तों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को चार बार फोन किया लेकिन पीएम मोदी ने कोई जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट बताती है कि यह उनके (मोदी के) गुस्से की गहराई, लेकिन उनकी सावधानी भी दशार्ता है।

वैष्णो देवी भूस्खलन : योगी ने उप्र के मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये देने की घोषणा की

स्थानीय मीडिया को बताया, हमें अस्पताल के एक कर्मचारी के जरिए दुर्घटना की जानकारी मिली जिसने हमें मयंक के फोन से फोन किया था। इसके बाद परिवार के लोग तुरंत जम्मू पहुंच गये।

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी तीर्थयात्रा मार्ग पर हुए भूस्खलन में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए बुधवार को राज्य केमृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता की घोषणा की। राज्य सरकार की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के निवासी रहे सभी मृतक तीर्थयात्रियों के परिजनों के लिए चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की। बयान के अनुसार योगी ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि पीड़ितों के पार्थिव शरीर जल्द से जल्द उत्तर प्रदेश में उनके पैतृक स्थानों पर पहुंचाए जाएं। हालांकि यह पुष्टि हो गई है कि इस त्रासदी में मारे गए लोगों में कुछ उत्तर प्रदेश के निवासी भी शामिल हैं लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि राज्य के कितने लोग इस घटना में मारे गए। सूत्रों के मुताबिक भूस्खलन में मारे गए उत्तर प्रदेश के लोगों में बागपत जिले की एक नवविवाहिता और उसकी बड़ी बहन शामिल हैं। परिवार के तीन अन्य सदस्य भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृतकों की पहचान खेकड़ा निवासी मयंक गोयल की पत्नी चांदनी (23) और उसकी बड़ी बहन नीरा (36) के रूप में हुई है। घायलों में चांदनी के पति मयंक, नीरा के पति अमित (40) और उनकी 10 साल की बेटी विधि शामिल हैं। परिवार के सदस्यों ने बताया कि मयंक और चांदनी की शादी इसी साल अप्रैल में हुई थी। परिवार 25 अगस्त को ट्रेन से मंदिर के लिए रवाना हुआ था। दर्शन के बाद जब वे लौट रहे थे तभी अचानक हुए भूस्खलन के कारण विशालकाय पत्थर उन पर गिर पड़े। मयंक के चाचा अनिल गोयल ने स्थानीय मीडिया को बताया, हमें अस्पताल के एक कर्मचारी के जरिए दुर्घटना की जानकारी मिली जिसने हमें मयंक के फोन से फोन किया था। इसके बाद परिवार के लोग तुरंत जम्मू पहुंच गये। गाजियाबाद निवासी नीरा की शादी मेरठ के जौहरी अमित से हुई थी। उनके ससुर अशोक ने कहा, जब देर रात तक उनसे संपर्क नहीं हो पाया, तो हमें लगा कि कुछ हुआ है। अगली सुबह, मेरे बेटे के फोन ने हमारी आशंकाओं को सच साबित कर दिया। जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों के अनुसार मंगलवार दोपहर भारी बारिश के बाद पहाड़ी की चोटी पर स्थित मंदिर के पास पहाड़ी का एक हिस्सा ढह जाने से हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है तथा कम से कम 20 अन्य घायल हो गए हैं। घायलों का जम्मू के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। शवों को घर भेजने की व्यवस्था की जा रही है।

संपादकीय

भारत पर टैरिफ बम

भारत पर अतिरिक्त 25 फीसद अमेरिकी शुल्क बुधवार को लागू हो गया। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है, और इसी के साथ भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ कर 50 फीसद हो गया। माना जा रहा है कि 48 अरब डॉलर से ज्यादा का अमेरिका को किया जाने वाला भारतीय निर्यात इससे प्रभावित होगा। भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न-आभूषण, झींगा, चमड़ा और जूते-चप्पल, पशु उत्पाद, रसायन, विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उद्योग पर सर्वाधिक असर पड़ेगा। भारत के अलावा ब्राजील एकमात्र अमेरिकी व्यापारिक साझेदार है, जिसे 50 फीसद आयात शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। इस घटनाक्रम के बाद भारतीय शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली और कमजोर वैश्विक रुझान से निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ी है। सराफा बाजार में भी तेजी का रुझान बन गया है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। अमेरिका भारत के कृषि और ड़ेयरी क्षेत्र में प्रवेश चाहता है, लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया है। इसके बाद ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने को बहाना बना कर यह अतिरिक्त शुल्क थोपा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अतिरिक्त शुल्क थोप कर भारत पर कूटनीतिक और व्यापारिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्पष्ट कर चुके हैं कि कृषि और डेय़री क्षेत्र में भारत कोई समझौता नहीं करेगा क्योंकि हमारे लिए किसानों के हित सर्वोपरि हैं। भारत, अमेरिका को 79 अरब ड़ॉलर का कुल निर्यात करता है, इसमें से 45 अरब ड़ॉलर के भारतीय उत्पाद अमेरिकी शुल्क के दायर में आ जाएंगे यानी अमेरिका को लगभग 45 फीसद भारतीय निर्यात अमेरिकी टैरिफ के दायर से बाहर होगा, लेकिन 55 फीसद भारतीय निर्यात प्रभावित होना तय है। दवा क्षेत्र को अमेरिका ने अभी नहीं छुआ है, लेकिन धमकी जरूर दे दी है कि भारतीय दवाओं पर भी 150 फीसद शुल्क लगाया जा सकता है।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है। इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है।

व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है। जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

राष्ट्रीय खेल दिवसः ध्यानचंद की हॉकी स्टिक में था 'जादू'!

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को 'खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान् खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे। सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। उनकी हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था।

1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूनार्मेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूनार्मेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए।

दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढ़ंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरूबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए। उसी वर्ष उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्ति के बाद वे माउंट आबू में हॉकी कोच के रूप में कार्यरत रहे और बाद में कई वर्षों तक पाटियाला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोट्र्स में चीफ हॉकी कोच बन गए। 3 दिसम्बर 1979 को उन्होंने दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली। अपने कैरियर में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ एक हजार से भी ज्यादा गोल दागे। भारत सरकार द्वारा मेजर ध्यानचंद के सम्मान में वर्ष 2002 में नेशनल स्टेडियम का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद

राष्ट्रीय स्टेडियम कर दिया गया। ध्यानचंद इतने महान हॉकी खिलाड़ी थे कि वियना के स्पोर्ट्स क्लब में उनकी चार हाथों में चार हॉकी स्टिक लिए एक मूर्ति लगाई गई है और उन्हें एक देवता के रूप में दशार्या गया है। भारत में उनके जन्मदिन को ह्यराष्ट्रीय खेल दिवसह्न घोषित किया गया है और इसी दिन विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

उर्दूः समान तासीर है हिन्दी-उर्दू की

विवेक शुक्ला

इधर देखने में आ रहा है कि अपने को उर्दू का सबसे बड़ा प्रवक्ता बताने वाले कुछ विद्वान कहते मिल जाते हैं कि अब भारत में उर्दू का कोई मुस्तकबिल (भविष्य) नहीं है। क्या इस तरह की कोई बात है? कतई नहीं। बीते दिनों पटना में भारत में उर्दू इतिहास, वर्तमान और भविष्य पर चर्चा हुई। निष्कर्ष यह निकला कि उर्दू का भारत में रोशन भविष्य है। यह एक भाषा होने के साथ-साथ, तहजीब, परंपरा और प्यार की भाषा भी है, जो भारत की कोख से जन्मी है, और हर भारतीय भाषा, क्षेत्र, समाज, धर्म और संस्कृति की सुगंध शामिल है इसमें।

यह भारत की आत्मा से जुड़ी भाषा है। यह विकसित भारत की भाषा है। अगर बात हिन्दी और उर्दू के संबंधों की करें तो हिन्दी और उर्दू, दोनों ही हिन्दुस्तानी भाषा की दो प्रमुख शाखाएं हैं। दोनों व्याकरणिक संरचना और मूल शब्दावली में लगभग समान हैं, लेकिन लिपि, शब्दावली का चयन और सांस्कृतिक प्रभावों के कारण अलग-अलग पहचान रखती हैं। सिनेमा और मीडिया में भी दोनों भाषाएं एक-दूसरे की पूरक के रूप में दिखाई देती हैं, जैसे बॉलीवुड फिल्मों में हिन्दी-उर्दू का मिश्रित प्रयोग। हालांकि, राजनीतिक और सांप्रदायिक कारणों ने इन भाषाओं को अलग करने की कोशिश की, फिर भी इनके साझा मूल और सांस्कृतिक विरासत ने इन्हें एक-दूसरे से जोड़ रखा। हिन्दी और उर्दू का यह अनोखा रिश्ता भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है। उर्दू के साथ नाइंसाफी यह हुई कि इसे मुसलमानों की भाषा समझ लिया गया। विभाजन और पाकिस्तान बनने का जिम्मेदार तक समझ लिया गया, जो गलत है। उर्दू के गैर-मुस्लिम लेखकों और शायरों की भी कोई कमी नहीं है। इनमें फिराक गोरखपुरी, कृष्ण चंदर, मोहिंदर सिंह बेदी, राजेंद्र सिंह बेदी, जगन्नाथ आजाद, कृष्ण बिहारी नूर, गोपी चंद नारंग शामिल हैं। क्या केंद्र की मौजूदा सरकार देश में उर्दू के हक में काम कर रही है? इस बारे में सहमति थी कि मोदी सरकार ने उर्दू से जुड़ी संस्थाओं और संस्थानों को अपने राष्ट्र विकास मंत्र, 'सब का साथ, सब का विकास, सब का विश्वास और सब का प्रयास' से जोड़ा है जिसका जीता जगता उदाहरण नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज का पटना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का त्रि-दिवसीय समागम-उर्दू भाषा का भविष्य, विकसित भारत 2047-था।

देखिए, उर्दू भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अनमोल रत्न है, जो इस देश की मिट्टी से उपजी है और इसके लोगों के दिलों में बसी है। यह भाषा न केवल शब्दों का समूह है, बल्कि ऐसी सांस्कृतिक धारा भी है जो विभिन्न समुदायों को प्रेम और भाईचारे के सूत्र में बांधती है। उर्दू की मधुरता, शायरी, गजलें और कविताएं भारतीय साहित्य और कला को अनूठा आयाम प्रदान करती हैं। यह भाषा भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है, जो हिन्दू-मुस्लिम एकता और सौहार्द का संदेश देती है। उर्दू का जन्म भारत की मिट्टी में हुआ, और यह संस्कृत, प्राकृत, फारसी, अरबी और तुर्की जैसी भाषाओं के मेल से विकसित हुई। इसकी उत्पत्ति दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में हुई, जहां इसे 'हिन्दवी' या 'देहलवी' के रूप में जाना जाता था। समय के साथ, उर्दू ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और आज भारत की प्रमुख भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है। भारत के संविधान में उर्दू को 22 अनुसूचित भाषाओं में शामिल किया गया है, जो इसकी महत्ता को दशार्ता है।

उर्दू की सबसे बड़ी खूबसूरती इसकी समावेशी प्रकृति में निहित है। उर्दू ने हमेशा से सभी को गले लगाया है, और इसे हिन्दुस्तान के हर कोने में प्रेम मिला है। चाहे उत्तर प्रदेश की गलियों में गूंजती गजलें हों, हैदराबाद की दक्कनी उर्दू हो, या कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के साहित्यिक समारोह हों, उर्दू हर जगह अपनी छाप छोड़ती है। इसकी शायरी और साहित्य में वह जादू है, जो सुनने वाले को भावनाओं के सागर में डुबो देता है। मिर्जा गालिब, दाग देहलवी, मीर तकी मीर और फैज अहमद फैज जैसे शायरों ने उर्दू को ऐसी ऊंचाई दी, जो विश्व साहित्य में बेमिसाल है। उर्दू को बढ़ावा देने के लिए भारत में कई संस्थान और संगठन

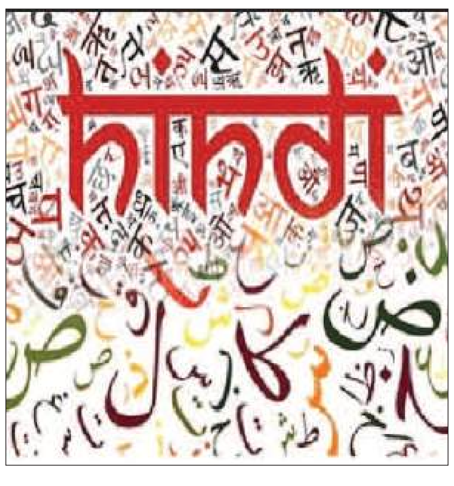

काम कर रहे हैं। उर्दू अकादमियां, साहित्यिक समारोह और स्कूलों में उर्दू की पढ़ाई इस भाषा को जीवित और समृद्ध रखने में योगदान दे रही हैं। ईमानदारी की बात तो यह है कि जहां-जहां कोई उर्दू बोलता है, वहां-वहां हिन्दुस्तान बोलता है। राजा राम मोहन रॉय, ड़ॉ. राजेंद्र प्रसाद, पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा, मुरली मनोहर जोशी आदि सभी मदरसों के छात्र रहे हैं। उर्दू ने विकसित और सुरक्षित भारत के लिए 'चमन', 'गुलजार', ह्यगुलशन', 'बाग-ओ-बहार', 'गुल-ए-बहार' आदि शब्दों का प्रयोग किया है। कुल मिला कर कहा जा सकता है कि उर्दू का वर्तमान और भविष्य रोशन है। हां, अब उर्दू के दोस्तों और दुश्मनों की पहचान करना लाजिमी है।

जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगलः क्या एक रूस, एक भारत और एक चीन के स्वप्न से बनेगी बात?

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी 'रूस-चीन-भारत' के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी।

ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है।

मसलन, यह कि अपने दूरगामी राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए भारत किसी भी विकसित देश के धौंसपट्टी में नहीं आएगा और इसकी भरपाई के लिए घोर शत्रु से भी हाथ मिलाने में नहीं हिचकिचाएगा। अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की भांति करेगा।

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं। इस दृष्टि से भारत के सदाबहार दोस्त सोवियत संघ में शामिल रहे रूस और अन्य चौदह देशों के अलावा, तुर्किये, सीरिया, मिश्र, सऊदी अरब आदि के उसमें मिलने से ही एक वृहत रूस या रूसी परिसंघ का सपना पूरा होगा। लिहाजा इस क्षेत्र में नाटो की बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

इसी प्रकार भारत को उसके पड़ोसी देशों, यथा- पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, भूटान, श्रीलंका, मालदीव के अलावा भी थाईलैंड, कम्बोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों को भारत में मिलाने के नैतिक प्रयत्न जारी रखने होंगे, क्योंकि इससे ही एक भारत का सपना पूरा होगा। वहीं, इस क्षेत्र में अमेरिका या चीन के बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

ठीक इसी तरह से चीन के विस्तार के लिए ताइवान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, लाओस, वियतनाम आदि देशों को उसमें मिलाना जरूरी है, जिससे एक चीन का सपना जल्द पूरा होगा। लेकिन यहां पर भी अमेरिका या जापान के बढ़ते दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इस नजरिए से देखा जाए तो ये तीनों इतने वृहत भौगोलिक पॉलिटिकल ब्लॉक हैं, जिन पर रूस, भारत और

चीन की पकड़ मजबूत होने से उनके संयुक्त रणनीतिक एजेंडे को बल मिलेगा। इसलिए यदि इनके एजेंडे में यह विषय शामिल नहीं है तो अविलंब कर लीजिए। इससे तीनों देशों का ही भला होगा। लेकिन एक दूसरे के भौगोलिक, आर्थिक और सैन्य हितों का सम्मान कीजिए, अन्यथा मित्रतापूर्ण भाव कटुता में तब्दील हो जाएगी।

लिहाजा यदि संभव हो तो इसी आधार पर अपनी रणनीतिक समझदारी भी विकसित कर लीजिए और एक-दूसरे के पैर को खींचना बन्द कर दीजिए। यदि आप तीनों ऐसा कर पाए तो नाटो या जी-7 पर एससीओ या ब्रिक्स देश समूह चौबीस घण्टे भारी पड़ेंगे। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए पुतिन, मोदी और जिनपिंग को थोड़ा बहुत त्याग करना होगा, थोड़ा दिल बड़ा करके पड़ोसियों की मानसिकता को बदलना या जीतना होगा, थोड़ा धैर्य पूर्वक कदम बढ़ाना होगा।

वहीं, निकट भविष्य में यदि भारत-रूस के प्रभाववश इजरायल का भी इस त्रिकोण को साथ मिल गया तो यह सोने पर सोहागा वाली स्थिति होगी। इससे अरब व यूरोप के उन हिस्सों पर भी भारत-रूस की पकड़ मजबूत होगी, जिन पर इजरायल की धाक जमेगी। यदि वह यरूशलेम-इंग्लैंड एक्सप्रेस-वे विकसित कर लेता है तो यह उसके लिए बहुत सुकून की बात होगी। यह स्थिति अमेरिका-रूस दोनों के लिए सुखद होगी।

यदि इस नजरिए से नई दिल्ली-मॉस्को एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, नई दिल्ली-सिंगापुर एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-यरूशलेम एक्सप्रेस-वे बना दिया जाए तो इसके और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इसी तरह से रूस के मास्को-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, मास्को-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-बर्लिन एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-पेरिस एक्सप्रेस-वे के सपने देखे जाएं तो यह उसके लिए बेहतर हो सकता है।

रही बात चीन की तो उसके लिए बीजिंग-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, टोकियो एक्सप्रेस वे-वॉटर वे, चीन-लाओस एक्सप्रेस-वे से उसके कारोबार में भी इजाफा हो सकता है। लेकिन क्या ऐसा करना आसान है? जवाब होगा- शायद हां भी और नहीं भी। आज जिस तरह से अरब मुल्कों पर वर्चस्व को लेकर, भारतीय उपमहाद्वीप में वर्चस्व को लेकर, दक्षिण चीन सागर में वर्चस्व को लेकर, हिन्द महासागर में वर्चस्व को लेकर, यूक्रेन में वर्चस्व को लॉकर, तिब्बत पर वर्चस्व को लेकर, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में वर्चस्व को लेकर अमेरिका-यूरोप और रूस-चीन के बीच तलवारें खींची रहती हैं, शह-मात के खेल चलते रहते हैं, उसके दृष्टिगत अब भारत का साथ रूस-चीन को मिलने के संकेत भर से अमेरिका और उसके यूरोपीय समर्थक देशों की परेशानी बढ़ गई है।

समझा जाता है कि अब रूस-भारत-चीन का प्रस्तावित त्रिकोण ही अमेरिका-यूरोप के देशों को उनकी लक्ष्मण रेखा बताएगा, ताकि एशिया-यूरोप में हथियार व गोला-बारूद खपाने को लेकर उनकी जो शातिर व भड़काऊ नीतियां हैं, वह बदली जा सकें। इस बारे में अब नए सिरे से उन्हें समझना होगा और जब वे समझने की कोशिश नहीं करेंगे तो फिर उसकी काट भी निकालनी होगी।

दरअसल, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ जब चीनी विदेश मंत्री वांग यी की बातचीत हुई थी तो इसी क्रम में ह्यएक-चीनह्न नीति से संबंधित बात भी उठी थी। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री ने दावा किया कि भारत ने ताइवान को चीन का अंग मान लिया है। फिर भारत के विदेश मंत्री ने उनकी कथित टिप्पणियों पर अपना स्पष्टीकरण दिया। इस पर चीन ने ह्यआश्चर्यह्न व्यक्त किया है। क्योंकि भारत ने कहा था कि ताईवान पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और उसके साथ नयी दिल्ली के संबंध आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक पहलुओं पर केंद्रित हैं।

मैं समझता हूं कि जयशंकर ने ऐसा इसलिए कहा होगा कि अभी तो मित्रता की पुनः शुरूआत हो रही है, जिसकी अग्नि परीक्षा अभी बाकी है। और फिर जब पाकिस्तान, अफगानिस्तान, पीओके, नेपाल, भूटान, तिब्बत, अरुणाचल प्रदेश, बंगलादेश, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव से जुड़े मामलों पर जब चीन के स्टैंड भारत के हितों के अनुकूल होंगे तो भारत भी उनके हितों का ख्याल रखेगा। यही वजह है कि चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि, ह्यह्यहम भारत के स्पष्टीकरण से हैरान हैं।ह्नह्न वह जयशंकर की टिप्पणियों यानी भारत के स्पष्टीकरण की खबरों पर चीन के आधिकारिक मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रही थीं। दरअसल, यह स्पष्टीकरण भी तब आया जब चीनी विदेश मंत्रालय ने वांग के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर के बयान को गलत तरीके से उद्धृत करते हुए कहा था कि ताईवान चीन का हिस्सा है।

चीनी प्रवक्ता ने दावा किया कि बीजिंग इस स्पष्टीकरण को ह्यतथ्यों के साथ असंगतह्न पाता है। ऐसा लगता है कि भारत में कुछ लोगों ने ताईवान के मुद्दे पर चीन की संप्रभुता को कमजोर करने और चीन-भारत संबंधों में सुधार को बाधित करने की कोशिश की है। चीन इस पर गंभीर चिंता व्यक्त करता है और इसका कड़ा विरोध करता है। इसलिए मैं इस बात पर जोर देना चाहती हूं कि दुनिया में सिर्फ.एक ही चीन है और ताईवान चीन के भूभाग का एक अविभाज्य हिस्सा है। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय में इस पर व्यापक सहमति है। चीन को उम्मीद है कि भारत ह्यएक-चीनह्न के सिद्धांत का गंभीरता से पालन करेगा, संवेदनशील मुद्दों को उचित ढंग से संभालेगा और द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास को बढ़ावा देगा।

उल्लेखनीय है कि अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पर नयी दिल्ली पहुंचे वांग ने गत 18 अगस्त 2025 को जयशंकर के साथ बातचीत में यह मुद्दा उठाया था, जिसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीनी पक्ष ने ताइवान का मुद्दा उठाया था। लेकिन भारतीय पक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे पर उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। उसने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह, भारत का ताईवान के साथ आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंधों पर केंद्रित रिश्ता है और यह आगे भी जारी रहेगा। भारतीय पक्ष ने कहा कि चीन भी इन क्षेत्रों में ताइवान के साथ सहयोग करता है।

उल्लेखनीय है कि अतीत में भी, भारत ने ह्यएक-चीनह्न नीति का समर्थन किया था, लेकिन 2011 के बाद से किसी भी द्विपक्षीय दस्तावेज में इस नीति को शामिल नहीं किया गया है। जबकि चीन ने अक्सर भारत से 'एक-चीन' नीति का पालन करने का आग्रह किया है। यद्यपि भारत और ताईवान के बीच औपचारिक कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, फिर भी उनके द्विपक्षीय व्यापार संबंध लगातार बढ़ रहे हैं।

गणपति आरती का दूसरा दिन, छात्राओं की भक्ति ने बाँधा समा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- ओ.पी. एस इंटरनेशनल स्कूल गजरौला में गणेश चतुर्थी महोत्सव के अंतर्गत गणपति आरती के दूसरे दिन का आयोजन पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। आरती में विद्यालय की छात्राओं ने मुख्य भूमिका निभाई और पूरे मन से भगवान गणेश की आरती में भाग लिया। सभी छात्राएं पारंपरिक वेशभूषा में सजीं और उनकी सामूहिक सहभागिता ने पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे दीप प्रज्वलन से हुआ। आरती के दौरान जय गणेश देवा जैसे भजनों की मधुर ध्वनि से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। मुख्य अतिथि श्याम सिंह, स्टेशन मास्टर शामिल रहे, और उन्होंने कहा कि आज की बालिकाओं ने भक्ति और समर्पण से यह सिद्ध कर दिया कि हमारी संस्कृति उनके हृदय में गहराई से रची-बसी है। आरती के उपरांत प्रसाद का वितरण किया गया, जिसे पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने आरती में भाग लेने वाली सभी छात्राओं, शिक्षकों और सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह आयोजन विद्यालय के लिए गर्व का विषय है।

आरती में रोशनी, रक्षा, रिया, दीपिका, हर्षिता, पल्लवी, कामिनी, चेस्टा, याशी, नेहा, आतुषी, साक्षी, चंचल, राजनी, काजल, खंक, पिंकी, वंदना, आस्था, प्रियांशी, अनुप्रिया, नैन्सी, ऋतु एवं अन्य छात्राएं ने भाग लिया।

निर्मल फाइबर फैक्ट्री में हादसा,प्रेस मशीन में फंसने से मजदूर की मौत

गजरौला (सब का सपना):- नगर कोतवाली स्थित एक फैक्ट्री में हादसे के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई। जिससे फैक्ट्री परिसर में अफरा तफरी का माहौल बन गया। आनन फानन में मजदूर को एक निजी अस्पताल में ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूरा मामला नगर कोतवाली के नेशनल हाईवे 9 पर स्थित निर्मल फाइबर फैक्ट्री कहां है जहां पर गुरुवार की सुबह एक 55 वर्षीय मजदूर रामचंद्र की प्रेस मशीन में फंसने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक रामचंद्र पुत्र लेखराज नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव अटारी का रहने वाला था। जो गुरुवार की सुबह बिलिंग प्रेस मशीन पर काम कर रहा था इस दौरान वह अचानक मशीन में फंस गया। आसपास काम कर रहे मजदूरों ने जब यह सब देखा तो उन्होंने तुरंत मशीन को बंद कर दिया और बमुश्किल रामचंद्र को मशीन से बाहर निकाला और उसे तत्काल निकट के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर घटना की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।इस मामले में थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया है कि मामले की जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

सावधान:- विकासखंड अधिकारी गंगेश्वरी की गाड़ी पर लिखा है मजिस्ट्रेट

सफाई कर्मी चलाता है विकासखंड अधिकारी गंगेश्वरी की गाड़ी

रहरा/अमरोहा (सब का सपना) मनोज शर्मा:- उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा करोड़ों अरबो रुपए खर्च करने की जिम्मेदारी जिस अधिकारी साहब को दी गई है वही अधिकारी साहब नियम कायदे कानून को तोड़ रहे हैं। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार नहीं अनेकों बार कह चुके हैं कि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे नहीं तो अंजाम भुगतना पड़ेगा। अधिकारी ऐसे नियमों को आम जनमानस को सिखाते हैं लेकिन खुद के ऊपर लागू नहीं करते। सरकार के नियमों को ताक पर रखकर अपने नियम बनाते हैं आखिर जिम्मेदारी किसकी? मामला जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी का है जहां विकासखंड अधिकारी साहब की गाड़ी पर मजिस्ट्रेट उत्तर प्रदेश सरकार लिखा हुआ है। अब सवाल उठता है कि जो गाड़ी विकासखंड अधिकारी की है या यूं कहे की जिस गाड़ी से विकासखंड अधिकारी साहब सवारी करते हैं आखिर उनकी गाड़ी पर मजिस्ट्रेट लिखने का मकसद क्या है? सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक कुछ लोग कहते हैं कि विकास खंड अधिकारी साहब आम जनमानस पर अपना रोब दिखाने के लिए उन्होंने अपनी गाड़ी पर मजिस्ट्रेट लिखवा रक्खा है। वहीं कुछ लोग बताते हैं की मजिस्ट्रेट साहब की गाड़ी का टोल टैक्स नहीं लगता टोल टैक्स बचाने के लिए ही खंड विकास अधिकारी साहब ने मजिस्ट्रेट लिखवा रखा है लेकिन बड़ा सवाल यह है उठना है कि जब साहब खंड विकास अधिकारी हैं तो आखिर मजिस्ट्रेट लिखने के पीछे उनकी क्या मंशा है? यह तो स्वयं खंड विकास अधिकारी सहाब ही बता सकते हैं। वहीं दूसरी तरफ नियमों को ताक पर रखकर खंड विकास अधिकारी साहब की गाड़ी कोई प्राइवेट कर्मी नहीं या वह स्वयं नहीं चलाते बल्कि विकासखंड अधिकारी साहब गंगेश्वरी की मजिस्ट्रेट लिखी गाड़ी ग्राम पंचायत इमरतपुर में तैनात सफाई कर्मी अशोक चलाता है। इतना ही नहीं सफाई कर्मी अशोक विकासखंड अधिकारी साहब की गाड़ी चलाने के साथ-साथ आम जनमानस पर रोब झाड़ने का कार्य भी करता है। बताया जाता है की सफाई कर्मी अशोक अपने आप को ही विकासखंड अधिकारी समझ बैठता है। वहीं दूसरी तरफ देखें तो सरकार के द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि ग्राम पंचायत में तैनात सफाई कर्मी किसी भी अधिकारी की गाड़ी नहीं चलाएगा लेकिन यहां तो सब कुछ उल्टा है। गाड़ी खंड विकास अधिकारी की है लिखा है मजिस्ट्रेट। दूसरी तरफ साहब की गाड़ी पर ड्राइवर भी सफाई कर्मी है। अब ऐसे में देखना यह होगा कि क्या कुछ बदलेगा या फिर सब कुछ यूं ही चलता रहेगा?

अमरोहा में सनसनीखेज हत्या का खुलासा, 3 आरोपी गिरफ्तार

पत्नी से अवैध संबंधों के शक में उतारा गया था मौत के घाट

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नौगावां सादात थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक दिल दहला देने वाले हत्या कांड का पदार्फाश कर दिया है। एसओजी और सर्विलांस टीम की मदद से पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। मामला 24 अगस्त का है, जब ग्राम खालकपुर के गन्ने के खेत में बबलू नामक 40 वर्षीय व्यक्ति का शव संदिग्ध हालात में मिला था। शव के पास ही उसकी मोटरसाइकिल और चमड़े की बेल्ट भी पड़ी मिली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि बबलू की गला दबाकर हत्या की गई थी। जांच के दौरान पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी हाथ लगी। पकड़े गए आरोपी पोखर का मृतक बबलू की पत्नी से प्रेम संबंधों को लेकर विवाद चल रहा था। करीब तीन साल पहले पंचायत में इसी मामले में पोखर की बेइज्जती हुई थी। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए उसने अपने साथी दीपक और रविन्द्र के साथ मिलकर बबलू को मौत के घाट उतारने की योजना बनाई। 23 अगस्त की रात बबलू जब नोएडा से घर लौट रहा था तो आरोपियों ने उसका पीछा किया और खालकपुर गांव के पास खेतों में उसे गिराकर बेल्ट से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए थे, लेकिन पुलिस की दबिश में गिरफ्तार कर लिए गए। गिरफ्तार आरोपियों में पोखर पुत्र खेमराज निवासी ग्राम जब्दी, दीपक पुत्र रोहताश सिंह निवासी ग्राम शेखुपुरा इम्मा और रविन्द्र पुत्र रावण निवासी नया टोला सबनीमा, पटना (बिहार) शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने इस खुलासे को बड़ी सफलता बताते हुए कहा है कि अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यातायात पुलिस व नगर पालिका की टीम ने चलाया अतिक्रमण हटाओ व यातायात चेकिंग अभियान

यातायात पुलिस द्वारा अवैध पार्किंग तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 114 वाहनों के किए गए चालान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र में यातायात पुलिस एवं नगर पालिका परिषद गजरौला द्वारा संयुक्त अतिक्रमण हटाओ अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान इंदिरा चौक गजरौला से रेलवे स्टेशन चौराहा होते हुए भानपुर फाटक रोड तक दोनों ओर अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। नगर पालिका गजरौला द्वारा सड़क पर बने स्थायी अतिक्रमण को जेसीबी की मदद से हटवाया गया तथा दुकानदारों को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि सड़क पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ती है। इसी क्रम में यातायात पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान चलाते हुए अवैध पार्किंग में खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई तथा कुल 114 वाहनों के चालान मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत किए गए। इस दौरान यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों से अपील की गई कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें। वाहन धीमी गति से चलाएं और वाहनों के बीच उचित दूरी बनाए रखें। दोपहिया वाहन चालक व पीछे बैठने वाले व्यक्ति को हेलमेट अवश्य धारण करना चाहिए तथा चारपहिया वाहन में बैठे सभी लोग सीट बेल्ट अवश्य लगाएं। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन या ईयरफोन का प्रयोग न करें, निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाएं तथा स्टंट एवं तेज रफ्तार ड्राइविंग से परहेज करें। साथ ही सड़क एवं हाईवे पर अनधिकृत रूप से वाहन खड़े न करें, केवल पार्किंग स्थल पर ही वाहन खड़ा करें। पुलिस ने आमजनमानस से अपील की है कि वे सड़क पर अतिक्रमण न करें तथा दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद के लिए सदैव तत्पर रहें।

दहेज लोभियों की हैवानियत :- 10 लाख और कार न मिलने पर विवाहिता को पिलाया तेजाब

अमरोहा (सब का सपना):- कोतवाली डिडौली क्षेत्र के कालाखेड़ा गांव से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने विवाहिता गुलफिजा को जबरन तेजाब पिला दिया। जानकारी के मुताबिक, करीब एक साल पहले गुलफिजा की शादी परवेज से हुई थी। शादी के बाद से ही पति, सास, ससुर और अन्य परिजन 10 लाख रुपये नकद और कार की मांग कर रहे थे। दहेज न मिलने पर गुलफिजा को लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा। बीते 11 अगस्त को ससुरालियों ने मिलकर गुलफिजा को तेजाब पिला दिया। गंभीर हालत में परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां 17 दिन तक इलाज चला, लेकिन आखिरकार आज गुलफिजा जिंदगी की जंग हार गई। इससे पहले, पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने पति परवेज समेत ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। अब पीड़िता की मौत के बाद आरोपियों पर हत्या की धाराएं भी बढ़ सकती हैं।

मूंडन संस्कार के दौरान तिगरी पहुंचे परिवार के तीन भाई गंगा में डूबे

24 घंटे बाद भी नहीं मिला कोई सुराग, तलाश जारी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- तिगरी गंगा धाम में मूंडन संस्कार के दौरान पहुंचे एक ही परिवार के तीन भाई स्नान के दौरान लापता हो गए जिससे परिवार के लोगों को बड़ा सदमा लगा है। बता दे कि मजदूर रामपाल अपने परिवार के साथ बुधवार की दोपहर को अपने पोते का मुंडन संस्कार कराने तिगरी गंगा धाम पहुंचे थे। उनके तीनों बेटे 25 वर्षीय ओमकार, 23 वर्षीय बंटी और 18 वर्षीय अनुज बुधवार दोपहर करीब 2:30 बजे गंगा में नहाने के लिए गए थे। वहीं परिवार में पत्नी शशिबाला बड़े बेटे आकाश की पत्नी राखी और बेटी सुधा मुंडन संस्कार में व्यस्त थे। 1 घंटे के बाद भी तीनों भाइयों के वापस न लौटने पर परिवार वालों ने उनकी चिंता हुई जिसके बाद उन्होंने उनकी खोजबीन शुरू की यहां तक की आसपास के क्षेत्र में भी उन्होंने तीनों भाइयों की तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद गुरुवार की सुबह से एनडीआरएफ और पीएसी के गोताखोरो की टीम ने तीनों भाइयों की तलाश शुरू की। शाम 6:00 बजे तक भी तीनों भाइयों का कोई पता नहीं चल सका। वहीं घाट पर मौजूद परिजन विलक-ब्लेकर रो रहे हैं तीनों भाई अमरोहा नगर के मोहल्ला दानिश मंडन के रहने वाले थे।

एक घंटे में थाने पहुंच नहीं तो मुकदमा लिख दूंगा, किसान ने लगा ली फांसी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- हेलो मैं एसआई बोल रहा हूं। तेरे पिताजी कहां है उधर से जवाब मिलता है पिताजी दिल्ली है। तब फिर थाने से दरोगा ने कहा दिल्ली क्या कर रहा है तेरा पिता, कॉल पर जवाब मिलता है कि वह तो काम करने के लिए दिल्ली गए हुए हैं। दरोगा कहता है कि 26 तारीख में तेरा पिता कैला देवी थाना क्षेत्र में आरस्टी में आया था तो अभी दिल्ली कैसे पहुंच गया, कह देना या तो 1 घंटे में थाने में आ जाए नहीं तो मुकदमा लिख दूंगा, अगर मुकदमे से बचना है तो 1 घंटे के अंदर थाने पहुंचे। फिर क्या था पुत्र ने अपने पिता को बताया, खेती किसानी कर मजदूरी करने वाला व्यक्ति एक कॉल से घबरा गया कॉल भी ऐसी ही थी। जिससे घबराना संभव है। पुलिस की कॉल और पुलिस की धमकी से आम आदमी आज भी यूं ही डर जाता है।आखिर एक कॉल ने उस गरीब किसान मजदूर की सांस थाम दी यानी कि वह किसान उस कॉल से घबराकर फांसी लगा लेता है। मामला तब सुर्खियों में पड़ जाता है जब ऑडियो वायरल होता है। हालांकि अधिकारी अब अपनी सफाई दे रहे हैं की दोषी पर कार्यवाही की जाएगी लेकिन किसान की सांस वापस आ सकती हैं जिस परिवार को चलाने वाला मुखिया ही दुनिया छोड़कर चला गया क्या वह वापस आ सकता है? संभव है नहीं। लेकिन सवाल उठता है कि आखिर शासन सत्ता ऐसे समय पर कहां चुप हो जाते हैं? आखिर कैसे एक दरोगा इस तरीके से मजदूर किसान को धमकी दे देता है अपने आप में एक किसान, मजदूर की मौत होना यह काफी सवाल छोड़ती है लेकिन सवाल पूछेगा कौन? यह अपने आप में बड़ा विषय है। हालांकि दोषियों पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है उच्च अधिकारी किसान मजदूर परिवार को न्याय दिलाने की बात भी कर रहे हैं। सवाल उठता है कि आए दिन कुछ पुलिसकर्मी इस तरीके से न जाने कितने लोगों को टॉर्चर करते हैं कुछ लोग तो शर्म की वजह से किसी से कुछ बता ही नहीं पाते तो कुछ लोग ऐसे मामलों में आत्महत्या तक कर लेते हैं। ना सरकार न कोर्ट केवल ऐसे अधिकारी अपने आप को ही सब कुछ समझते हैं और गरीब लोगों पर डंडा चलाने का कार्य करते हैं। ऐसी एक घटना नहीं अनेकों घटनाएं लगातार घटित होती हैं। सवाल उठता है कि आखिर ऐसे लोगों पर केवल कार्यवाही के नाम पर इतिश्री कर ली जाती है आखिर ऐसा कब तक चलता रहेगा? मामला जनपद अमरोहा के थाना क्षेत्र रहरा के गांव खेलिया पट्टी का है जहां एक किसान अपने रिश्तेदारी में थाना कैलादेवी जनपद संभल के क्षेत्र के एक गांव में अपने रिश्तेदार के यहां आरस्टी में जाता है वहां किसी बात को लेकर कुछ हंसी मजाक शायद हो जाती है। उसके ही अगले दिन मृतक किसान के पुत्र के पास थाना कैला देवी से एक फोन कॉल आता है और उसमें मृतक किसान के पुत्र को हड़काया जाता है। अपने पिता से कहो कि एक घंटे में तेरे पिता थाने पहुंच जाएं नहीं तो मुकदमा लिख दिया जाएगा। अगर मुकदमे से बचना है तो मात्र एक घंटे में थाने पहुंचे। डराया जाता है, धमकाया जाता है, किसान घबरा जाता है, सोचता है कि अब नहीं बचूंगा और ऐसी स्थिति में वह किसान फांसी लगा लेता है। सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए मामला सुर्खियां बनता है और जब यह पूरा मामला हाईलाइट होता है। तब उच्च अधिकारी उन पुलिसकर्मियों पर मामला पंजीकृत करते हैं। उच्च अधिकारी कह रहे हैं कि मृतक किसान को न्याय मिलेगा लेकिन सवाल यह उठता है कि मृतक किसान के परिवार को अब कौन चलाएगा? आखिर परिवार का खर्चा कौन व्हन करेगा? ऐसे अनेकों सवाल मन में आते हैं वहीं दूसरी तरफ यदि हम देखें इस तरीके से यदि कोई आम आदमी किसी पुलिसकर्मी को टॉर्चर कर देता तो पुलिस कर्मी उसका एनकाउंटर करते संभवत ऐसा तय है। पुलिसकर्मियों ने जब एक आम आदमी को इस तरीके से टॉर्चर किया तो मामला पंजीकृत हो गया उच्च अधिकारीयो ने भी कह दिया कि मृतक किसान को न्याय दिलाया जाएगा।

अब मृतक किसान परिवार के साथ आए भारतीय किसान (यूनियन भानू) के कार्यकर्ता
यूनियन के कार्यकर्ता थाना प्रभारी और सीओ से मिले, यूनियन कार्यकताओं को मिला इंसाफ का भरोसा

गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन भानू की टीम पहुंची मृतक किसानके घर

गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन भानू के कार्यकर्ता व अधिकारी मृतक किसान के ग्राम खेलिया पट्टी पहुंचे और परिजनों को शांत बना दी। इस दौरान पदाधिकारीयो ने कहा कि संगठन में रोष है किसी भी दशा में मृतक किसान को टॉर्चर करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन तन मन धन से मृतक किसान के परिवार के साथ खड़ा है। जो भी इसके पीछे दोषी हैं उन्हें सख्त सजा दिलवाने का कार्य संगठन करेगा। इसके बाद यूनियन के कार्यकर्ता और पदाधिकारी थाना प्रभारी रहरा व सीओ हसनपुर भी मिले। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं उच्च अधिकारियों की तरफ से भी मृतक किसान के परिजनों को न्याय दिलाने की बात कही गई है। इस दौरान चमन प्रधान जिला अध्यक्ष, डॉक्टर हाशिम चौधरी जिला उपाध्यक्ष, जमशेद चौधरी जिला मंत्री, लोकेश चौहान तहसील अध्यक्ष, हरपाल सिंह, राजीव सिंह, साहिल, राहुल गुप्ता, बबलू गुर्जर, शाहिद, कलुआ आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खेल प्रोत्साहन सामग्री वितरण समारोह का किया गया आयोजन

युवा अपनी ऊर्जा को महसूस करें:- डॉ सुगंधा सिंह

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के अन्तर्गत 214 युवक एवं महिला मंगल दलों को खेल प्रोत्साहन सामग्री वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के अन्तर्गत मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री/ राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा धर्मवीर प्रजापति रहे जबकि विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख बनियाखेडा डॉ सुगंधा सिंह रहीं। कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्वप्रथम एक पुष्प एवं एक पुस्तक देकर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत जिलाधिकारी ने कहा कि आउटडोर गेम्स को बढ़ावा दें। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित युवक एवं महिला मंगल दल के सदस्यों से ग्राम कुल के सदस्यों के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी।जिलाधिकारी ने कहा कि आगे मंगल दल के सदस्य अपने गाँव के स्कूल,आशा एवं आंगनबाड़ी से संबंधित पत्र में समस्याएं लेकर आएंगे तथा उन्होंने कहा कि आप की दृष्टि में गाँव की समस्या का क्या समाधान हो सकता है वह भी बताएंगे।जिलाधिकारी ने कहा की प्रत्येक युवक मंगल दल एवं महिला मंगल दल के सदस्यों के मोबाइल में ग्राम कुल के सदस्यों के मोबाइल नंबर फीड रहने चाहिएं।ग्राम कुल के सदस्यों का एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनना चाहिए।विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख डॉ सुगंधा सिंह ने कहा कि युवा अपनी ऊर्जा को महसूस करें युवक मंगल दल एवं महिला मंगल दलों को खेल को बढ़ावा देने के साथ साथ समाज में अपना योगदान देने की आवश्यकता है। आपकी सहभागिता हर जगह रहे। आउटडोर गेम्स को बढ़ावा दें। मुख्य अतिथि ने कहा कि युवक मंगल दल एवं महिला मंगल दल ग्राम पंचायतों में युवाओं को सार्वजनिक कार्य हेतु सक्रिय करें एवं युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढाने का कार्य करें।

कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा कुल 214 दलों को खेल प्रोत्साहन सामग्री का वितरण किया गया जिसमें 116 खेल प्रोत्साहन किट युवक मंगल दलों एवं 98 महिला मंगल दलों को खेल प्रोत्साहन किटों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह जिला विकास अधिकारी रामाशीष डिप्टी कलेक्टर रामानुज एवं डिप्टी कलक्टर निधि पटेल ,उपनिदेशक कृषि अरुण कुमार त्रिपाठी, अधीक्षण अभियंता विद्युत विनोद कुमार गुप्ता, जिला विद्यालय निरीक्षक श्यामा कुमार ,एवं जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी तथा युवक मंगल दल एवं महिला मंगल दल के सदस्य उपस्थित रहे।

बहजोई में पर्युषण महापर्व का पहले दिन हुआ भव्य आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना): दिगंबर जैन मंदिर, बहजोई में गुरुवार को पर्युषण महापर्व का शुभारंभ धूमधाम से हुआ। महापर्व के पहले दिन को उत्तम क्षमा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर अभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन और दसलक्षण विधान का आयोजन विद्वत आचार्य चंद्र कुमार जैन शास्त्री (मंडावरा, मध्य प्रदेश) के निर्देशन में संपन्न हुआ। आचार्य चंद्र कुमार जैन ने उत्तम क्षमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, क्षमा धर्म की आधारशिला है। यह केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि हृदय की सच्ची भावना है, जो हमें क्रोध, द्वेष और अहंकार से मुक्त कर आत्मशुद्धि की ओर ले जाती है। क्षमा का अभ्यास न केवल आत्मकल्याण करता है, बल्कि समाज में सौहार्द, शांति और भाईचारा भी स्थापित करता है। दूसरों की गलतियों को क्षमा करने से आंतरिक शांति और आत्मिक संतोष प्राप्त होता है। सांयकालीन कार्यक्रम में सामूहिक आरती, णमोकार महामंत्र पाठ, प्रवचन और प्रश्नमंच का आयोजन हुआ। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रथम दिन का प्रथम अभिषेक और शांतिधारा का सौभाग्य नवनीत जैन (इंदिरापुरम) को प्राप्त हुआ। दसलक्षण विधान में मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य अर्चना जैन और राहुल जैन परिवार को मिला। चार दिशाओं के कलश स्थापना वीना जैन, सरिता जैन, नीलिमा जैन और स्वाति जैन ने की, जबकि शास्त्र स्थापना शैली जैन और मितेश जैन ने की। जैन सभा के अध्यक्ष सुनील जैन और रंजना जैन ने दीप प्रज्ज्वलन कर विधान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन दिगंबर जैन सभा, बहजोई के महामंत्री सम्भव जैन ने किया। यह आयोजन भक्तों में उत्साह और भक्ति का संचार करता रहा।

क्यूब रूट फाउंडेशन का समाज के लिए सराहनीय कदम

पांचवें माह भी दिया टी0बी0 रोगियों को पोषाहार

हापुड़ (सब का सपना):- मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सुनील कुमार त्यागी के कुशल निर्देशन में एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह के नेतृत्व में टी0बी0 मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आज क्यूब हाइवे संस्था द्वारा वित्त पोषित क्यूब रूट फाउंडेशन द्वारा जनपद के ब्लॉक गढ़मुक्तेश्वर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गढ़मुक्तेश्वर सभागार में 150 क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरण किया गया संस्था के रूपेश सिंह ने बताया की संस्था द्वारा जनपद में कुल 250 रोगियों को गोद लेकर पिछले पांच महीने से लगातार पोषाहार वितरण किया जा रहा है जिसके अंतर्गत जनपद की गढ़मुक्तेश्वर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन कर पोषाहार वितरण किया गया पोषाहार पोटली में सोयाबीन /दाल/ गुड़/तिल /गजक/प्रोटीन पाउडर आदि सामग्री का वितरण किया गया संस्था के राकेश कुमार राय एवं रूपेश सिंह द्वारा बताया गया की संस्था के माध्यम से इन सभी मरीजों को प्रतिमाह यह पोषण पोटली वितरित की जाएगी जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह ने बताया कि जनपद में अन्य संस्थाओं द्वारा जैसे रोटरी क्लब /व्यापार संघ /लायन क्लब /इनर व्हील क्लब इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हापुड़ देवनंदनी हॉस्पिटल /आरोग्य हॉस्पिटल/ मोनाड विश्वविद्यालय शालोम चैरिटेबल ट्रस्ट आदि संस्थाओं द्वारा भी टी0बी0 0 रोगियों को गोद लेकर पोषण पोटली वितरण किया जाता है पोषण पोटली वितरण समारोह में आए मरीज एवं मरीजों के तीमारदारों को जिला पी0पी0एम0 कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी द्वारा टी0बी0 के लक्षण निदान व रोग से बचाव के विषय में विस्तार से बताया गया सुशील चौधरी द्वारा बताया गया कि किसी भी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक की खांसी खांसी के साथ बलगम का आना बलगम में खून का आना भूख कम लगना लगातार वजन में कमी होना हल्का बुखार रहना रात में सोते समय कमर में पसीना आना या शरीर के अंदर गांठ बन जाना टी0बी0 की बीमारी के लक्षण है अतः इसे अनदेखा न करें यदि किसी व्यक्ति को यह लक्षण दिखाई देते हैं तो तुरंत ही अपने नजदीकी सरकारी अस्पताल में जाकर अपनी जांच कराए और बीमारी आने पर अपना उपचार कराए उपचार कभी भी अधूरा ना छोड़े अन्यथा बीमारी भयानक रूप धारण कर सकते हैं इस अवसर पर संस्था के रूपेश सिंह प्लाजा मैनेजर राकेश राय मैनेजर (उरफ) स्वास्थ्य विभाग से जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह जिला कॉर्डिनेटर सुशील चौधरी वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक गजेंद्र पाल सिंह वरिष्ठ प्रयोगशाला पर्यवेक्षक रामसेवक लैब टेक्नीशियन महेंद्र कुमार सिंह व टी0बी0 एच0 वी0 लाखन सिंह आदि उपस्थित रहें।

11 साल की बच्ची को कुत्ते ने काटा, हायर सेंटर रैफर

बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र बढ़ापुर के ग्राम अब्दुल्लापुर कुरैशी में घर से बाहर दरवाजा बंद करने निकली 11 वर्षीय बच्ची पर कुत्ते ने हमला कर दिया। घटना में घायल हुई बच्ची आलिया पुत्री शहजाद को परिजन तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से नगीना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बच्ची को हायर सेंटर रेफर कर दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षेत्र में घूम रहे आवारा और बीमार कुत्तों को पकड़ने की मांग की है।

बिजनौर में ई-रिक्शा चालकों पर बच्ची से छेड़छाड़ का आरोप, पुलिस ने की कार्रवाई

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के कोतवाली शहर थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। थाना कोतवाली शहर में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार नगर के एक स्कूल में कक्षा 3 में पढ़ने वाली 9 वर्षीय बच्ची को उसके परिजन रोजाना ई-रिक्शा से स्कूल भेजते थे। बच्ची को लाने-ले जाने की जिम्मेदारी ई-रिक्शा चालक माजीद उर्फ भूरा पुत्र जाहिद निवासी मोहल्ला मिर्दगान पर थी। आरोप है कि ई-रिक्शा चालक माजीद बच्ची को अपनी ई-रिक्शा में न बैठाकर, दूसरे ई-रिक्शा चालक नसीम पुत्र वाहीद निवासी मोहल्ला मिर्दगान की गाड़ी में बैठा देता था। तहरीर के अनुसार, नसीम बच्ची को चॉकलेट आदि का लालच देकर उसके साथ छेड़छाड़ करता था। इस गंभीर आरोप के आधार पर पीड़ित बच्ची के परिजनों ने 27 अगस्त को थाना कोतवाली शहर में तहरीर दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया और दोनों आरोपियों,माजीद और नसीम को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उनकी ई-रिक्शाओं को भी सीज कर दिया गया है। कोतवाली शहर पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और बच्ची की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है

प्रधानमंत्री आवास योजना के अपात्र पाए गए 28 लाभार्थियों से धनराशि ली जाएगी बापस:- सीडीओ

बिजनौर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 को लेकर गुरुवार को विकास भवन, बिजनौर में मुख्य विकास अधिकारी ने स्थानीय पत्रकारों से वार्ता की। प्रेस वार्ता पूर्वाह्न 11 बजे उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित हुई, जिसमें उन्होंने योजना की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर विशेष जोर दिया। सीडीओ ने कहा कि यह योजना पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपादित की जाएगी। यदि किसी स्तर पर कोई गड़बड़ी या शिकायत सामने आती है, तो उसे तुरंत जिला प्रशासन तक पहुँचाया जाए ताकि जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि पहले चरण में 28 अपात्र लाभार्थियों को आरसी जारी की जा चुकी है और उनसे धनराशि वापस ली जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नई प्रक्रिया के तहत आवास प्लस सूची में पात्र लाभार्थियों का नाम जोड़ने के लिए आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 चलाया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के लिए जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में खंड विकास अधिकारियों की ओर से व्यापक प्रचार-प्रसार कराया गया है। सीडीओ पूर्ण बोरा ने पत्रकारों से अपील की कि वे आम जनता तक इस प्रक्रिया की सही जानकारी पहुँचाने में सहयोग करें, ताकि पात्र ग्रामीण जागरूक होकर योजना का लाभ ले सकें। इस मौके पर परियोजना निदेशक डीआरडीए अनिल कुमार दिनकर ने भी प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। योजना को पारदर्शी व निष्पक्ष रूप से लागू किया जाएगा। अपात्र पाए गए 28 लाभार्थियों से धनराशि वापस ली जा रही है।प्रत्येक ग्राम पंचायत में आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 का प्रचार किया जा चुका है। पात्र लाभार्थियों को जोड़ने की नई प्रक्रिया लागू है।

संभल हिंसा में अब तक 96 गिरफ्तारी, जामा मस्जिद के सदर समेत छह को मिली जमानत

संभल। जामा मस्जिद सर्वे के दौरान भड़की हिंसा प्रकरण में अब तक कुल 12 मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से 11 मामलों में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। एक प्रकरण की विवेचना अभी प्रक्रियाधीन है। पुलिस ने डिजिटल और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर 96 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। जबकि जामा मस्जिद के सदर समेत छह लोगों को जमानत मिल चुकी है। हालांकि, 74 उपद्रवियों के पोस्टर जारी होने के बाद भी उनका कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया है। जामा मस्जिद सर्वे के दौरान भड़की हिंसा के मामले में जांच एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं। हिंसा में 12 मुकदमे दर्ज किए गए थे। इनमें से नौ मुकदमे कोतवाली संभल में, दो नखासा थाने में और एक मुरादाबाद जिले के पाकबड़ा थाने में दर्ज हुआ था। बाद में पाकबड़ा में दर्ज मुकदमा स्थानांतरित होकर संभल कोतवाली में जोड़ दिया गया, जिसकी विवेचना फिलहाल जारी है। आरोपियों की गिरफ्तारी सीसीटीवी फुटेज, वीडियो क्लिप और मौके से मिले अन्य साक्ष्यों के आधार पर की गई। डिजिटल और फिजिकल सबूतों के सहारे कई उपद्रवियों की पहचान सुनिश्चित कर गिरफ्तारी की गई। अब तक कुल 96 लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं, 74 उपद्रवियों के खिलाफ पोस्टर जारी कर उनकी तलाश की जा रही है। हालांकि इनका अब तक कोई सुराग हाथ नहीं लग सका है। प्रकरण में गिरफ्तार किए गए कई आरोपित जमानत पर बाहर आ चुके हैं। इनमें जफर अली से पहले मरियम, फैजान, शाने आलम, अरशद और रेहान जैसे नाम शामिल हैं। इन आरोपितों में से कुछ का नाम प्रारंभिक प्राथमिकी में दर्ज नहीं था, जबकि कुछ के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर उन्हें अदालत से राहत मिली। मरियम को पुलिस ने 87 दिन जेल में बिताने के बाद रिहा किया था। वहीं आठ अप्रैल को जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सदर जफर अली को भी जमानत मिल गई।

जनपद में संचालित अंग्रेजी मीडियम के स्कूलों की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में जनपद के सीबीएसई बोर्ड एवं आईसीएसई बोर्ड के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ एनसीईआरटी की पुस्तकों को लागू करने तथा जिन विद्यालयों पर अर्थ दंड लगाया गया था तथा विद्यालयों पर लगाए गये अर्थदण्ड को जमा ने करने एवं शुल्क का ऑडिट रिपोर्ट पर विचार विमर्श को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम जिला विद्यालय निरीक्षक श्यामा कुमार ने बताया कि जिन विद्यालयों पर अर्थदण्ड लगाया गया है अभी तक दो विद्यालयों ने अर्थ दंड जमा नहीं किया है जिसको लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि अगर एक दिवस के अंदर अर्थ दंड विद्यालय जमा नहीं करते हैं तो 5 लाख का अर्थ दंड लगाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने विद्यालय के डाटा के विषय में जानकारी प्राप्त की जिसको लेकर क्या आपत्ति प्राप्त हुई है एवं संबंधित विद्यालयों से चर्चा की। जनपद में संचालित अंग्रेजी मीडियम के स्कूलों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जिला विद्यालय निरीक्षक ने संबंधित बिंदुओं के विषय में मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया जिसको लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि भौतिकवादी संस्कृति को ना अपना कर भारतीय संस्कृति को अपनाएं। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि भारत राष्ट्रीय निर्माण कार्य के लिए भारतीय संस्कृति ज्ञान बहुत जरूरी है उसके अनुसार बच्चों को ज्ञान दिया जाए उन्होंने कहा की नीति आयोग के सभी पैरामीटरों पर विशेष ध्यान दिया जाए और उनको संज्ञान में लेते हुए बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि समस्त प्रधानाचार्य एवं अध्यापक कर्तव्य का पालन करें अधिकारों की अनावश्यक मांग ना करें अगर समस्त प्रधानाचार्य एवं अध्यापक अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे तो बच्चे उच्च शिक्षा पाकर भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकेंगे। जिलाधिकारी ने समस्त प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों से कहा कि परीक्षा के परिणाम का भी विशेष ध्यान रखा जाए बच्चों को अच्छी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें जिससे हमारा रिजल्ट अच्छा आए उन्होंने कहा कि अध्यापक को बच्चों के प्रति समर्पित रहना चाहिए जिससे बच्चों को अच्छी शिक्षा दे सकें उन्होंने कहा कि अध्यापकों की जो भी समस्या है उसको भी गंभीरता से लेते हुए निस्तारण किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि मनुष्य की शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण में कार्य करती है जिलाधिकारी ने कहा कि जैसी शिक्षा वैसा समाज शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला विद्यालय निरीक्षक श्यामा कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा सहित समस्त सीबीएसई एवं आईसीएसई के विद्यालयों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

सम्भल पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्त किए गिरफ्तार

सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में दो वारंटी अभियुक्त पुलिस ने गिरफ्तार किए हैं। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में में कानून व्यवस्था, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाये गये अभियान में थाना रायसत्ती पुलिस टीम द्वारा मुकदमे में वारण्टी अभियुक्त 1. इंद्र सैनी पुत्र गजराम सिंह 2. शंकर पुत्र भीकम सिंह निवासीगण बड़ी बेगम सराय थाना रायसत्ती जनपद सम्भल को अभियुक्तों के घर से गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली सरकार ने लिया एक और बड़ा फैसला, अब इस अभियान को 2 अक्टूबर तक बढ़ाया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने अपने महत्वाकांक्षी अभियान "दिल्ली की कचरे से आजादी" को दो अक्टूबर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह निर्णय ठोस कचरा प्रबंधन (सालिड वेस्ट मैनेजमेंट) की स्थिति की समीक्षात्मक उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की। वहीं, बैठक में महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह, दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद और एमसीडी के आयुक्त अश्वनी कुमार भी शामिल थे। लैंडफिल को समतल करने और नई परियोजनाओं पर जोर बैठक में गाजीपुर, ओखला और भलस्वा में स्थित तीन लैंडफिल को समतल करने की प्रक्रिया को तेज करना और शहर में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले 11,300 मीट्रिक टन कचरे के पूर्ण प्रबंधन के लिए नए वेस्ट-टू-एनर्जी (डब्ल्यूटीई) संयंत्रों की स्थापना पर चर्चा हुई। साथ ही प्रत्येक जोन में कचरा प्रबंधन केंद्रों का विकास, गोबर संयंत्रों की स्थापना, गौशाला में उपचार संयंत्र, श्मशान घाटों पर गोबर से बने लट्ठों की उपलब्धता और वित्तीय स्थिति जैसे विषयों पर भी विमर्श हुआ। महापौर ने बताया कि तीनों लैंडफिल पर पुराने कचरे के दैनिक प्रसंस्करण की क्षमता को 15 हजार टन प्रतिदिन से बढ़ाकर 25 हजार टन कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चार नए वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्रों को 2026 तक चालू

करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि मौजूदा लैंडफिल साइटों पर ताजा कचरे का निपटान पूरी तरह बंद हो सके। उन्होंने आश्वस्त किया कि बिजली ट्रांसमिशन लाइनों को स्थानांतरित करने से संबंधित मुद्दों को हल करने में उनका कार्यालय सक्रिय रहेगा, ताकि परियोजनाओं का समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित हो। वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्रों की स्थिति वर्तमान में, दिल्ली में प्रतिदिन 11,300 मीट्रिक टन ताजा कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से 7,300 टन का प्रसंस्करण गाजीपुर, तहकंड, ओखला, और नरेला में स्थित चार वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्रों द्वारा किया जाता है। नरेला-बवाना में पांचवें डब्ल्यूटीई संयंत्र की स्थापना के लिए केंद्र सरकार से पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त हो चुकी है और बिजली ट्रांसमिशन लाइनों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया चल रही है। इस संयंत्र को दिसंबर 2027 तक चालू करने का लक्ष्य है, जो 3,000 मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण करेगा। इसी तरह गाजीपुर में छठा डब्ल्यूटीई संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया भी चल रही है, जो प्रतिदिन 2,000 मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण करेगा और दिसंबर 2028 तक चालू होने की उम्मीद है। ओखला डब्ल्यूटीई संयंत्र की क्षमता को 1,950 मीट्रिक टन प्रतिदिन से बढ़ाकर 2,950 मीट्रिक टन प्रतिदिन करने के लिए केंद्र सरकार ने 50 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर निधि प्रदान करने पर सहमति जताई है। इस संयंत्र के मार्च 2027 तक चालू होने की संभावना है। इसके साथ ही, तहखंड संयंत्र की क्षमता में भी एक हजार टन प्रतिदिन की वृद्धि की जाएगी। जोन-स्तरीय कचरा प्रबंधन केंद्र और अन्य योजनाएं बैठक में यह भी चर्चा हुई कि दिल्ली के प्रत्येक जोन में उपयुक्त क्षेत्र और क्षमता के साथ समर्पित कचरा प्रबंधन केंद्र स्थापित किए जाएंगे। सफाई कर्मचारियों और मालियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक व्यापक वित्त पोषण प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया

दिल्ली से 1000 मोबाइल चोरी कर बांग्लादेश बेचने वाले तीन तस्कर गिरफ्तार, 50 लाख के और मोबाइल बरामद

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी जिला पुलिस ने दिल्ली से चोरी किए गए करीब एक हजार मोबाइल बांग्लादेश में तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। तीनों से चोरी के 294 मोबाइल बरामद किए गए हैं। गिरोह मोबाइल बंगाल में अपने साथियों के माध्यम से बांग्लादेश भेज देता था। फिर वहां महंगे दामों पर बेच देते थे। इससे पहले पुलिस गिरोह के पांच शातिरों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि यह गिरोह दिल्ली में डीटीसी बसों में यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वालों से उन्हें खरीद लेता था। फिर उन्हें कोलकाता से होते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा के रास्ते बांग्लादेश भेज देता था। इस गिरोह का मास्टरमाइंड भी बंगाल में रहता है। पुलिस ने इस गिरोह का पदार्फाश करने के लिए विशेष अभियान चलाया था। इसके तहत अभी तक आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। तस्करों से 294 मोबाइल बरामद अब पुलिस ने गिरोह के पश्चिमी बंगाल के नादिया निवासी मोजाहिर उर्फ समीर, मोहम्मद खालिद उर्फ पप्पू उर्फ राहुल और शिवम कुमार झा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनसे चोरी के 50 लाख रुपये के 294 मोबाइल बरामद किए गए हैं। इसके अलावा सीइआइआर पोर्टल के जरिए भी 100 मोबाइल मोबाइल बरामद किए गए हैं। गिरोह के खिलाफ विभिन्न थानों में दर्ज 45 एफआईआर और 30 मोबाइल गुमशुदगी दर्ज हैं। अभी अन्य आरोपितों के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। गिरोह तक पहुंची पुलिस इसी साल 27 जुलाई को पुलिस ने एमबी रोड पर चलने वाले बसों से मोबाइल चोरी करने वाले दिनेश उर्फ हड्डाल, रिजवान उर्फ कमांडो, रवि, अजय और विचित्र पुरी उर्फ अंकित उर्फ राहुल को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में पता चला कि वह मोजाहिर उर्फ समीर को मोबाइल देता था। वह सभी मोबाइल को कोलकाता ले जाता था। मोजाहिर बंगाल के मोहम्मद खालिद उर्फ पप्पू उर्फ राहुल के संपर्क में था। मोहम्मद खालिद ने बताया कि वह बांग्लादेशी हैंडलर उससे फोन लेने के लिए अपने साथियों को भेजते थे।

हत्यारों ने बताया उत्तराखंड के युवक की हत्या का राज, गणपति पंडाल के पीछे की थी चाकुओं से गोदकर हत्या

पूर्वी दिल्ली। मंडावली थाना इलाके में एक पार्क में गणपति पंडाल के पीछे चाकू से गोदकर की गई युवक की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने हत्या में शामिल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान मुख्य आरोपित व मंडावली निवासी चुन्नू उर्फ निखिल, आफताब, विनोद नगर निवासी प्रेमपाल और अमन सैफी के रूप में हुई है। इनके पांचवे साथी की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। हत्या का केस दर्ज किया जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि बुधवार रात को आठ बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि पार्क में एक युवक खून से लथपथ हालत में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को एलबीएस अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में मृतक की पहचान उत्तराखंड के डूंगरी ब्लाक निवासी नरेंद्र के रूप में हुई। हत्या का केस दर्ज किया गया। खोड़ा कॉलोनी से दबोचा अपराध की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल स्टाफ के इंचार्ज जितेंद्र मलिक व नारकोटिक्स टीम के एसआइ राहुल मोंगा व कांस्टेबल कौशल की टीम बनाई गई। पुलिस को जांच में पता चला कि युवक नौकरी की तलाश में दिल्ली आया हुआ था। पुलिस ने बुधवार रात को ही चुन्नू व प्रेमाल को हापुड़ और अमन और आफताब को खोड़ा कॉलोनी से गिरफ्तार कर लिया। चाकू से लगातार किया हमला आरोपितों ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह पार्क में मौजूद था। वहां पर एक युवक बैठा हुआ था। युवक पार्क में आने वाला नया लग रहा था, वह उसे परेशान करने लगे। युवक ने विरोध किया तो उनकी कहासुनी हो गई। उन्होंने युवक को पहले पीटा और उसके बाद चुन्नू ने उस पर चाकू से वार कर दिए।

कनॉट प्लेस पर बाउंसरों की दबंगई, वकीलों को बुरी तरह पीटा

नई दिल्ली। राजधानी के कनॉट प्लेस इलाके में शनिवार देर रात पार्टी करने आए दो वकीलों समेत तीन दोस्तों के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक बार-रेस्टोरेंट के बाउंसर और स्टाफ ने तीनों दोस्तों को न केवल बुरी तरह पीटा, बल्कि किसी ठोस धातु की वस्तु से हमला कर गंभीर रूप से घायल भी कर दिया। घबराए पीड़ित किसी तरह जान बचाकर मौके से भागे और पुलिस को सूचना दी। वहीं, घायल युवकों की पहचान धर्मेंद्र कुमार, नवीन शौकिन और नवीन कुमार के रूप में हुई है। धर्मेंद्र और नवीन कुमार पेशे से वकील हैं और

तीस हजारी कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं। तीनों को इलाज के लिए लेडी हार्डिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एमएलसी के बाद कनॉट प्लेस थाने में बीएनएस की धारा 115, 126, 351 समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक, धर्मेंद्र ने पुलिस को बताया कि 23 अगस्त की रात करीब 11:30 बजे वे तीनों एन ब्लाक स्थित "माई बार हेड क्वार्टर" में पार्टी करने पहुंचे थे। वहां ड्रिंक और खाना खाने के बाद उन्होंने आनलाइन बिल चुकाया और करीब 1 बजे बाहर निकलकर सिगरेट पीने लगे। उसी दौरान वहां एक ढोल वाला मस्ती करा रहा था। जब उन्होंने भी उसे बुलाकर मस्ती की तो बार का एक बाउंसर आया और ढोल वाले को गाली देकर भगाने लगा। दोस्तों ने विरोध किया तो बाउंसर भड़क गया और फोन कर 8-10 अन्य बाउंसर व स्टाफ को बुला लिया। इसके बाद सभी ने मिलकर तीनों दोस्तों की बेरहमी से पिटाई की और गोली मारने की धमकी दी। हमले के दौरान धर्मेंद्र की सोने की चेन भी गायब हो गई। किसी तरह तीनों ने भागकर पुलिस को कॉल किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की पहचान की जा रही है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली में बाढ़ की चेतावनी, खतरे के निशान से ऊपर बह रही यमुना; अभी और बढ़ेगा नदी का जलस्तर!

नई दिल्ली। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के कारण राजधानी में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है, जिसके चलते प्रशासन ने बाढ़ की चेतावनी जारी की है। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया है। यमुना का जलस्तर 205.41 मीटर पर पहुंच गया है। 2-3 दिन में यमुना का जलस्तर और बढ़ सकता है। इससे पहले बुधवार रात 8 बजे पुराने रेलवे ब्रिज पर जलस्तर 205.35 मीटर दर्ज किया गया जो खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक, हथिनीकुंड बैराज से करीब 41

हजार क्यूसेक पानी हर घंटे छोड़ा जा रहा है लेकिन दिल्ली में वजीराबाद बैराज से हर घंटे करीब 56 हजार क्यूसेक और ओखला से करीब 46 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं, पल्ला क्षेत्र में टेंट और राहत सामग्री लगा दी गई है। सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण, राजस्व, स्वास्थ्य, दिल्ली पुलिस समेत सभी विभाग अलर्ट पर हैं। 206 मीटर पहुंचने पर शुरू होगा बचाव कार्य बाढ़ नियंत्रण के लिए राजस्व विभाग की ओर से नोडल अधिकारी प्रीत विहार एसडीएम संदीप यादव ने कहा कि यमुना का जलस्तर 206 मीटर पहुंचने पर राहत और बचाव कार्य शुरू होंगे। दिल्ली बोट क्लब में 40 बोट और गोताखोरों की टीम तैयार है। निचले इलाकों जैसे यमुना बाजार, आईटीओ और कश्मीरी गेट में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पिछले साल की बाढ़ से सबक लेते हुए प्रशासन ने बचाव दल और राहत सामग्री जुटाई है। नदी किनारे न जाने की अपील प्रशासन ने निवासियों से नदी किनारे न जाने और केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से अपडेट लेने की अपील की है। मौसम विभाग ने बारिश की चेतावनी दी है लेकिन यमुना के जलस्तर में गिरावट की उम्मीद से राहत है।

राजधानी में वकीलों के न्यायिक बहिष्कार का छठा दिन, उपराज्यपाल के आदेश के खिलाफ कर रहे प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली के पुलिस थानों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए गवाही देने की अनुमति देने के उपराज्यपाल के नोटिफिकेशन के खिलाफ वकीलों का न्यायिक बहिष्कार छठे दिन भी जारी है। इस दौरान वकीलों ने अपना गुस्सा सड़कों पर निकाला। वहीं, बुधवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में वकीलों ने एलजी का पुतला फूंका और नारे लगाए। निचली अदालतों के वकीलों के पक्ष में दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने भी अपना समर्थन जताते हुए बुधवार को काम के दौरान वकीलों को काली पट्टी पहनने का आह्वान किया। वहीं, बुधवार को हुई कोऑर्डिनेशन कमिटी की बैठक में हड़ताल को बृहस्पतिवार और शुक्रवार को भी जारी रखने का निर्णय लिया गया। नई दिल्ली बार एसोसिएशन के सचिव तरुण राणा ने कहा कि शुक्रवार दोपहर 12 बजे

उपराज्यपाल भवन के बाहर सभी बार एसोसिएशनों के वकील प्रदर्शन करेंगे। बुधवार को तीस हजारी, रोहिणी, कड़कड़डूमा, द्वारका, साकेत, राउज एवेन्यू और पटियाला हाउस जिला अदालतों में कोई सुनवाई नहीं हुई। जमानत याचिकाएं, गवाही और क्रॉस-एग्जामिनेशन (जिरह) समेत कई महत्वपूर्ण मामले स्थगित कर दिए गए। फरियादी और उनके परिवार वाले अदालत परिसरों के बाहर भटकते नजर आए। वकीलों की अनुपस्थिति के चलते उन्हें कोई राहत नहीं मिल सकी। अदालत परिसरों के बाहर वकीलों ने विरोध प्रदर्शन किए। वकीलों ने बुधवार को पटियाला हाउस कोर्ट के बाहर सड़कों पर प्रदर्शन किया। कड़कड़डूमा कोर्ट के वकीलों ने कृष्णा नगर रेड लाइट पर जाम लगा दिया था। लगभग दिल्ली की सभी निचली अदालतों में वकीलों ने न्यायिक बहिष्कार के तहत अलग-अलग तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। वकीलों ने कोर्ट परिसर में पुलिस और सरकारी वकीलों समेत ईडी, सीबीआई और नायब कोर्ट को प्रवेश नहीं करने दिया। कड़कड़डूमा कोर्ट के वकील प्रदीप चौहान ने बताया कि यह नोटिफिकेशन जनता के खिलाफ है। हड़ताल के चलते पब्लिक प्रॉसिक्यूटर्स, ईडी और सीबीआई के अधिकारी भी कोर्ट में नहीं पहुंचे। कई हिरासत संबंधी जरूरी मामले ही सुने गए, लेकिन अधिकांश ट्रायल स्थगित हो गए हैं। उन्होंने बताया, नोटिफिकेशन न्यायिक स्वतंत्रता और निष्पक्ष सुनवाई के खिलाफ है।

दिल्ली में मानव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने चार तस्करों को किया गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिला स्पेशल स्टाफ की टीम ने कई राज्यों में फैले मानव तस्करी गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार तस्करों को किया गिरफ्तार है। शाहबाद डेरी से लापता हुई 13 व 15 वर्षीय किशोरी को जून माह में श्रीनगर से इनके कब्जे से छुड़ाया था। इन बच्चियों के बयान के आधार पर ही पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई की है। आरोपी किशोरियों को बहला-फुसलाकर अपने साथ जम्मू ले गया था। जहां इनसे बिना वेतन के घरेलू सहायिका के रूप में काम कराया जाता था। इस मामले में पुलिस ने जम्मू-कश्मीर से एक दिल्ली से एक और उत्तर प्रदेश से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि भलस्वा डेरी थाना क्षेत्र से 13 व 15 वर्षीय किशोरी संदिग्ध हालात में लापता हो गई थी। दोनों किशोरी के स्वजन के बयान के आधार पर भलस्वा डेरी थाना पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। वहीं, जांच के दौरान पता चला कि दोनों किशोरी जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हैं। दोनों बच्चियों को 15

जून को बरामद कर दिल्ली वापस लाया गया। उनके बयानों से पता चला कि तस्करों ने उन्हें पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से बहला-फुसलाकर जम्मू के रास्ते ले गया। श्रीनगर में बिना वेतन के घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया। जिसके बाद 14 अगस्त को दिल्ली पुलिस ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर श्रीनगर स्थित गंदेरबल निवासी सलीम-उल-रहमान उर्फ वसीम को गिरफ्तार कर लिया। इसकी निशानदेही पर बेगमपुर थाना क्षेत्र के प्रह्लादपुर से सूरज को भी पकड़ा। वहीं, पूछताछ करने पर सलीम ने बताया कि कि वह श्रीनगर के बेमिना में वीए मैनपावर प्राइवेट लिमिटेड के नाम से एक एजेंसी चलाता है, जिसके माध्यम से उसने पिछले दो वर्षों में कई लोगों की तस्करी की है। आरोपित सूरज ने दिल्ली स्थित एजेंटों के इशारे पर तस्करी के शिकार लोगों को जम्मू-कश्मीर ले जाता था। वहीं, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सक्रिय कई सहयोगियों के नाम भी बताए। इनकी निशानदेही पर 19 अगस्त को टीम ने दो और आरोपित उत्तर प्रदेश के रामपुर निवासी मोहम्मद तालिब और बाराबंकी निवासी सतनाम सिंह उर्फ सरदार को भी गिरफ्तार किया। अन्य लोगों को पकड़ने के लिए पुलिस दे रही दबिश पुलिस अधिकारी के मुताबिक, जांच के दौरान इस गिरोह से जुड़े कई नाम सामने आए आए हैं।

साउथ दिल्ली के लोगों के लिए गुड न्यूज, सौ बैड अस्पताल के साथ मिलेगी ये सुविधा

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में सौ बैड का अस्पताल और एक स्कूल जल्द खुलेगा। इसके लिए जल्द ही जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी व छतरपुर विधायक करतार सिंह तंवर ने बताया कि दिल्ली नगर निगम के आयुक्त अश्विनी कुमार ने छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के फतहपुर बेरी गांव के नगर निगम अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल के पास उपलब्ध जमीन पर सौ बैड के अस्पताल निर्माण की बात रखी गई। इसपर निगम आयुक्त ने रजामंदी दे दी है। मौके पर दिल्ली नगर निगम की स्थाई समिति के डिप्टी चेयरमैन सुंदर सिंह तंवर और नगर निगम के साउथ जोन के अध्यक्ष उमेद सिंह फोगाट भी मौजूद रहे। बिधूड़ी ने बताया कि इसके बाद छतरपुर क्षेत्र के चांदनहोला गांव में नगर निगम के प्राइमरी स्कूल का भी निरीक्षण किया। जहां क्षेत्र के बच्चों के लिए सीनियर सेकेंडरी स्कूल तक के लिए जमीन उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया गया। इसपर भी सहमति जता दी है। स्कूल और अस्पताल खुलने से स्थानीय लोगों को खासी सुविधा होगी।

अमेरिका पर 100 फीसदी टैरिफ, अरविंद केजरीवाल बोले-पूरा देश इस फैसले का करेगा समर्थन

नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को मांग की कि भारत अमेरिकी आयात पर अधिक शुल्क लगाए और कहा कि पूरा देश इस फैसले का समर्थन करेगा। पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए, केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अमेरिका से आयातित कपास पर 11 प्रतिशत शुल्क माफ करने का फैसला किया है। इससे यहां के स्थानीय किसानों के कारोबार पर असर पड़ सकता है। आप प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह फैसला भारत के किसानों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। उन्होंने मांग की कि सरकार अमेरिकी आयात पर अधिक शुल्क लगाए।

दिल्ली दंगे के छह आरोपी हुए बरी, अदालत ने दिल्ली पुलिस पर क्यों जताई नाराजगी?

पूर्वी दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगे से जुड़े आगजनी के मामले में कड़कड़डूमा स्थित कोर्ट ने छह लोगों को बरी कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीन सिंह के कोर्ट ने आदेश में कहा कि सुनवाई के दौरान चर्चा से यह स्पष्ट है कि केवल मामले को सुलझाने के लिए आरोपितों पर झूठा मामला थोपा गया। वहीं, जांच अधिकारी ने साक्ष्यों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। जिसके परिणामस्वरूप आरोपितों के अधिकारों का गंभीर हनन हुआ। यह दुखद है कि स्पष्ट खामियों के बावजूद पर्यवेक्षण अधिकारियों थाना प्रभारी और सहायक पुलिस आयुक्त ने आरोपपत्र को आगे बढ़ाया। कोर्ट ने सुधारात्मक उपाय के लिए आदेश की प्रति दिल्ली पुलिस आयुक्त को भेजने की बात कही है। न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र में दंगाइयों ने 26 फरवरी 2020 को दोपहर के वक्त गामड़ी एक्सटेंशन में एक धार्मिक स्थल के पास घर, दुकान व स्कूटी में आग लगा दी थी। इस मामले में पुलिस ने सुदामापुरी निवासी इशू गुप्ता, राज कुमार, अमित उर्फ अन्नू, पंजाबी कालोनी निवासी प्रेम प्रकाश, उस्मानपुर गामड़ी रोड निवासी मनीष शर्मा और उस्मानपुर जय प्रकाश नगर निवासी राहुल उर्फ गोलू को आरोपित बनाया था। मई 2023 में इन आरोपितों के खिलाफ आरोप तय किए गए थे। इस मामले में निर्णय सुनाते हुए कोर्ट ने दिल्ली पुलिस पर नाराजगी जताई है। साथ ही जांच और आरोपपत्र दाखिल करने में खामियों की ओर इशारा किया है।

दिल्ली की कितनी है प्रति व्यक्ति आय? राजधानी से आगे सिर्फ एक राज्य है आगे

नई दिल्ली। दिल्ली में जनसंख्या बढ़ने के साथ ही यहां के लोगों की आय भी बढ़ी है। शहरी क्षेत्र का विस्तार होने से यहां की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी कम हुई है। इसकी तुलना में सेवा क्षेत्र व औद्योगिक इकाइयों की संख्या बढ़ी है। यही कारण है कि दिल्ली तीन सबसे संपन्न राज्यों में शामिल है। यहां प्रति व्यक्ति आय 4.93 लाख रुपये है। इससे आगे सिर्फ सिक्किम है। सिक्किम में प्रति व्यक्ति 5.87 लाख है। वर्ष 2022-23 में गोवा दूसरे स्थान पर था। पिछले दो वर्षों से उसका आंकड़ा जारी नहीं हुआ है। केंद्र शासीत प्रदेश में दिल्ली सबसे आगे है। इसके बाद चंडीगढ़ है। वर्ष 2011-12 में दिल्ली की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 3.5 प्रतिशत तक थी। अब यह एक प्रतिशत से भी कम रह गया है। इस दौरान निर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग 13 प्रतिशत बनी हुई है। वहीं, सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी 83.4 प्रतिशत से बढ़कर 86.6 प्रतिशत हो गई है। इससे लोगों की आय बढ़ी है। महाराष्ट्र, गुजरात जैसे राज्य जहां की जनसंख्या अधिक होने के साथ ही उद्योग को भी बढावा मिला है। इसके बाद भी वह प्रति व्यक्ति आय में दिल्ली से पीछे हैं। दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय देश की औसत प्रति व्यक्ति आय से 2.4 गुना अधिक है। राज्य सरकार के आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार प्रति व्यक्ति आय में सात प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, यह राष्ट्रीय औसत से कुछ कम है। इसे और बढ़ाने के लिए सेवा व पर्यावरण अनुकूल औद्योगिक इकाइयों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। रिपोर्ट में सिर्फ पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों को शामिल किया गया है। यहां आवासीय क्षेत्रों में बड़ी संख्या में अवैध औद्योगिक इकाइयां चल रही हैं। इन्हें औद्योगिक क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। इससे दिल्ली की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। दिल्ली सरकार ने इसी सप्ताह स्टार्टअप पालिसी का ड्राफ्ट घोषित किया है। अगले 10 वर्षों में दिल्ली को इनोवेशन हब बनाने का लक्ष्य रखा गया है। निजी भागीदारी से औद्योगिक क्षेत्रों के विकास करने का निर्णय लिया गया है।

बड़ा तोहफाः हरियाणा में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर मिलेगी सब्सिडी, ये चालक उठा सकेंगे लाभ

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार द्वारा इलैक्ट्रिक हाइब्रिड इलैक्ट्रिक वाहनों के खरीदारों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसमें जिन वाहन मालिकों ने 40 से लेकर 70 लाख रुपए तक की कीमत के हाइब्रिड, इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे हैं और उन वाहनों का पंजीकरण 1 मई, 2025 से 24 जुलाई, 2025 के बीच हुआ है तो वे इन्वैस्ट हरियाणा पोर्टल पर एकमुश्त खरीद प्रोत्साहन हेतु आवेदन कर सकेंगे। ऐसे सभी पात्र खरीददार इस पोर्टल पर आज से 27 सितम्बर, 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। यह पोर्टल केवल 1 महीने के लिए खुला रहेगा। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि इलैक्ट्रिक हाइब्रिड इलैक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग से न सिर्फ पर्यावरण को बेहतर बनाने में सहयोग मिलेगा, बल्कि आम लोगों के खर्च में भी कटौती होगी। इलैक्ट्रिक/हाइब्रिड इलैक्ट्रिक वाहनों से कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम होता है जिससे प्रदूषण कम फैलता है। उन्होंने बताया कि शोध लगातार दर्शाते हैं कि इलैक्ट्रिक वाहन पैट्रोल और डीजल कारों की तुलना में कम ग्रीनहाऊस गैसें और कम वायु प्रदूषक उत्पन्न करते हैं।

कैग का खुलासा, सिस्टम की नाकामी से सरकार को हजारों करोड रुपए का फटका

चंडीगढ़ : हरियाणा को लेकर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने बुधवार को विधानसभा में 7 चैप्टर की रिपोर्ट पेश की है। इसमें बताया गया है कि कई विभागों में की गई लापरवाही और गड़बड़ियों के कारण हजारों करोड़ रुपए का सरकार को नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार शहरी एवं स्थानीय विभाग की लापरवाही के कारण 209 करोड़ रुपए के नुकसान की बात सामने आई है। इसके अलावा श्रम विभाग की जांच में अधिकारियों द्वारा समय पर इनकम टैक्स छूट के लिए अप्लाई नहीं किए जाने के कारण करीब 713 करोड़ रुपए के इनकम टैक्स की देनदारी विभाग पर बन गई है। कैग ने अपनी जांच में सरकार के विभागों की ऑडिट अथॉरिटी, ऑडिट प्लान और सरकार की ऑडिट के प्रति जवाबदेही को बताया गया है। वहीं ऑडिट का परफॉर्मेंस, स्पेसिफिक सब्जैक्ट ऑब्जर्वेशन, सरकारी विभागों के ऑडिट से निकले कमैंट और ऑडिट ऑब्जर्वेशन को शामिल किया गया है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग में सॉलिड वेस्ट मैनेजमैंट का ऑडिटः हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय विभाग में सॉलिड वेस्ट मैनेजमैंट को लेकर 2017-18 से 2021-22 का ऑडिट किया गया। इसके लिए सूबे के 18 शहरी स्थानीय

निकायों में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के डॉक्युमेंट की जांच की गई। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमैंट की पॉलिसी और प्लानिंग में 15 महीने की देरी की गई। जांच में इसके अलावा भी कई खामियां मिलीं। 2017 से लेकर 2022 के दौरान टोटल वेस्ट 103.58 लाख टन बताया गया, जिसमें से 64.86 लाख टन अपशिष्ट (63 फीसदी) बिना किसी प्रोसेस के डंप साइटों पर फेंक दिया गया। निकाय विभाग द्वारा नगर निगम गुरुग्राम ने नवम्बर 2021 से मार्च 2022 तक प्रोजैक्ट में देरी के लिए 4.92 करोड़ रुपए की कंपनसैशन नहीं लगाया। गुरुग्राम और फरीदाबाद को तय समय पर लागू न होने के कारण 108.93 करोड़ का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। एन.जी.टी. ने बंधवाडी साइट पर लिगेसी वेस्ट का बायोलॉजिकल ट्रीटमेंट न करने के लिए नगर निगम, गुरुग्राम पर 100 करोड़ का जुमार्ना लगाया।

गेहूं खरीद से लेकर कई मामलों में मिलीं गड़बड़ियां

गेहूं की खरीद, स्टोरेज और भारतीय खाद्य निगम (एफ.सी.आई.) को डिलीवरी परफॉर्मेंस ऑडिट अप्रैल 2017 से मार्च 2022 तक 5 सालों में राज्य खरीद एजेंसियों (गेहूं के लिए) की जांच की गई। कुल 22 जिलों में से 8 जिलों की मंडियों को जांच के लिए चुना गया। जांच में पाया गया कि मंडियों में बुनियादी सुविधाओं जैसे तौल कांटे, अग्निशमन व्यवस्था, किसान विश्राम गृह, कैंटीन पर्याप्त नहीं थी। कुछ मंडियों में तौल कांटे नहीं होने के कारण हैफेड द्वारा मंडियों के बाहर स्थित तौल कांटों तक गेहूं के परिवहन पर 2.93 करोड खर्च किया गया। इसके अलावा विभाग ने गेहूं की खरीद के लिए ऊंची दरों पर फंड्स की व्यवस्था की थी, जिसके कारण 222.24 करोड़ का ज्यादा ब्याज देना पड़ा। किसानों को भुगतान में देरी हुई। इसके अलावा बड़ी मात्रा में गेहूं को ओपन प्लिंथ किराए पर लेकर अवैज्ञानिक तरीके से भंडारित किया गया, जिससे गेहूं का स्टॉक खराब हुआ। मंडियों में आढ़तियों को 48,12 रुपए प्रति क्विंटल की दर से कमीशन दिया गया, जबकि निगम ने 46 प्रति क्विंटल कमीशन तय किया, जिससे एजेंसियों को 14.27 करोड़ नुकसान हुआ। इसके अलावा रखरखाव प्रभार को लागत शीट में शामिल न किए जाने के कारण खरीद एजेंसियों को 90.30 करोड़ का नुकसान हुआ।

श्रम विभाग की जांच में कई खामियां

कैग रिपोर्ट में पाया गया कि श्रम विभाग के भवन एवं अन्य सन्निर्माण विभाग में कर्मकारी के कल्याण के 2017-18 से 2021-22 तक 5 साल की जांच में कई खामियां मिलीं 12017-18 से 2022-23 के दौरान लेबर सैस कलैक्शन 2.153.11 करोड रुपए था, बोर्ड ने 2017-18 से 2022-23 के दौरान योजनाओं पर कुल फंड 5.553.71 करोड़ रुपए में से केवल 1,656.78 करोड (29.83 फीसदी का ही यूज किया। बोर्ड ने इनकम टैक्स छूट के लिए समय पर आप्लाई नहीं किया, जिसके कारण 713.25 करोड रुपए की इनकम टैक्स की देनदारी बन गई।

9 सरकारी विभागों में कई खामियां

कैग के ऑडिट में 9 सरकारी विभागों, पब्लिक सैक्टर के अंडरटेकिंग और ऑटोमोनस बॉडी की जांच की गई, जहां 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की गई थी। जांच के दौरान 14 मामलों में 14 मामलों में अर्चॉरिटी से वृद्धि की मंजूरी लिए बिना ही 108.91 करोड़ के कांट्रैक्ट अमाऊंट के खिलाफ 255.70 करोड रुपए का पेमेंट कर दिया गया। पब्लिक हैल्थ डिपार्टमेंट में, ई-टैंडर से बचने के लिए टैंडर अमाऊंट को 1 लाख रुपए से कम रखी गई, बाद में इसे बढ़ा दिया गया। जांच में ये भी पाया गया कि 77.89 करोड कांट्रैक्ट फंड के खिलाफ 178.13 करोड रुपए का पेमेंट कर दिया। इसके बाद भी 5 प्रोजैक्ट अधूरे पड़े हैं। हैरानी की बात यह है 13 ऐसे मामले भी मिले हैं, जिनका काम पूरा करने में तय समय में 4 से 45 माह तक का लेट हुआ। हाई रेट पर पेमेंट कर ठेकेदारों को 73.73 करोड़ रुपए का गलत लाभ दिया गया, जिसमें से ऑडिट द्वारा बताने के बाद 6.64 करोड की वसूली कर ली गई थी।

आपकी बेटी, हमारी बेटी योजना में अतिरिक्त भुगतान

महिला एवं बाल विकास विभाग में आपकी बेटी हमारी बेटी योजना के तंत्र में स्वीकृति के लिए आवेदनों के चयन और फंड की मंजूरी की प्रक्रिया के दौरान, डबल आवेदनों को पहचानने और उन्हें हटाने की व्यवस्था नहीं होने के कारण जीवन बीमा निगम को 15.54 करोड़ का अतिरिक्त भुगतान कर दिया गया।

हथिनीकुंड बैराज के पास रेस्तरां निर्माण में भी लगी चपत

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा हथिनी कुंड बैराज पर रैस्ट हाऊस के पास रेस्तरां निर्माण पर किया गया 1.74 करोड का एक्सपेंडीचर यूटिलाइजेशन के लिए कोई प्लानिंग नहीं होने के कारणप्रोजैक्ट फेल रहा। भू- मालिकों को मुआवजे का भुगतान करने में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की 1,593 दिनों की देरी हुई, जिसके कारण 2.07 करोड़ का ब्याज देना पड़ा। भूमि मुआवजे के अवॉर्ड में पब्लिश करने में गलती की गई, जिसके कारण भू-स्वामियों को 3.42 करोड़ रुपए मुआवजे का अधिक देना पड़ा। इसके अलावा अर्बन स्टेट डिपार्टमेंट 3.25 करोड़ के ब्याज सहित अधिक पेमेंट किए गए फंड वसूली में फैल रहा।

हरियाणा में दहेज की मांग पूरी न होने पर महिला को दिया तीन तलाक, 3 बच्चों की मां है महिला

नूंहः हरियाणा के नूंह में एक तीन बच्चों की मां को तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। महिला के पति ने दहेज में बुलेट बाइक और 3 लाख कैश की मांग की। जब मांग पूरी नहीं हुई तो महिला को तीन तलाक दे दिया गया। पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला आंकेड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पुलिस को दी शिकायत में महिला बताया कि उसकी शादी 8 साल पहले साकरस निवासी असलम के साथ हुई थी। शादी में उसने अपनी हैसियत के अनुसार दान-दहेज भी दिया था, जिसमें एक बोलेरो गाड़ी और डेढ़ लाख रुपये नकद शामिल थे। महिला का आरोप है कि ससुराल वाले कई बार उसके साथ मारपीट करते थे और उसे घर से बाहर निकाल देते थे, और दहेज की मांग पूरी होने पर ही उसे घर में आने देते थे। पीड़िता ने बताया कि शादी के बाद असलम के घर में उसकी चार बेटियां हुईं, जिसके बाद ससुराल वाले उसे ताने देने लगे और अधिक दहेज की मांग करने लगे। मार्च में उसकी एक बेटी की मौत हो गई थी, जिसके बाद उसका पति असलम घर आया और पंचायत के बाद उसे ससुराल ले गया।महिला का आरोप है कि असलम ने उसे तीन-चार दिन तक ठीक रखा, लेकिन बाद में उसे पता चला कि असलम ने दूसरी शादी कर ली है। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया, तो असलम ने उसे आश्वासन दिया कि वह दोनों को अपने साथ अच्छी तरह से रखेगा। महिला ने बताया कि कुछ दिनों बाद असलम ने उसे अपने साथ रखने से साफ इनकार कर दिया। महिला का आरोप है कि कुछ दिनों बाद उसके परिवार के लोग असलम के घर पंचायत लेकर आए, जहां असलम से दूसरी शादी करने का कारण पूछा गया। लेकिन आरोपी अपनी दहेज की मांग पर अड़ा रहा। आरोप है कि असलम ने सभी के सामने तीन बार तलाक तलाक तलाक बोलकर उसे वैवाहिक जीवन से आजाद कर दिया, जिसके बाद वह अपने परिवार के लोगों के साथ घर आ गई।आंकेड़ा थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर असलम, अली मोहम्मद उर्फ अल्ली, फईयाज, इस्माईल उर्फ कालू, जुनेद, रिहाना, सुमेया, दिलसाना, अफसाना और अनीसा निवासी साकरस, तहसील फिरोजपुर झिरका, जिला नूंह के खिलाफ मुस्लिम वूमेन एक्ट सहित मारपीट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बालिका वधू बनने से बचाया नाबालिग को,लड़की की उम्र कागजों ने बहुत कम

जींदः बाल विवाह निषेध अधिकारी कार्यालय टीम की सर्तकता से बुधवार को खेड़ा खेमावती गांव में एक बालिका को वधु बनने से बचाया। टीम ने बाल विवाह की सूचना पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए नाबालिग की शादी को रूकवाया और साथ ही परिजनों को विवाह न करने के लिए चेताया। इसके अलावा बाल विवाह अधिनियम की जानकारी भी दी। जिस पर परिजनों ने आश्वासन दिया कि अब वह बालिग होने पर ही विवाह करेंगे। बाल विवाह निषेध अधिकारी सुनीता को सूचना मिली थी कि गांव खेडा खेमावती में एक नाबालिग लड़की की शादी करवाई जा रही है और बारात सोनीपत जिले के गांव रामगढ़ से आने वाली है। इस पर कार्रवाई करते हुए रवि लोहान, हवलदार ओमप्रकाश, महिला सिपाही रीतु, नीलम, प्रवीन के साथ मौके पर पहुंचे। टीम द्वारा लड़की के परिवार वालों से लड़की के जन्म से संबंधित कागजात मांगे तो परिजनों ने पहले तो टाल मटोल करने की कोशिश की और लड़की की उम्र पूरी होने की बात कही लेकिन जब उनको कार्यालय में बुलाया गया तो लगभग तीन घंटे के बाद जो सबूत दिखाए गए।

जिसमें लड़की की उम्र मात्र 16 वर्ष पाई गई। इस पर उसके परिजनों द्वारा बताया गया कि लड़की के माता-पिता अनपढ़ है और उन्हें किसी कानून की कोई जानकारी नही है। इसलिए वह गलती से ऐसा कर रहे थे। इस पर परिजनों को समझाया गया कि आपकी लड़की नाबालिग है, इसलिए आप उसके बालिग होने तक का इंतजार करें ताकि कोई कानूनी अड़चन न आए। इसके बावजूद भी अगर आप नाबालिग लडकी की शादी करते हैं तो आप सभी के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस पर परिवार सहमत हो गया तथा शादी को स्थगित कर दिया गया। इसके बाद परिजनों ने महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध विभाग के अधिकारियों को लिखित बयान दिए कि वह कानून की पालना करेंगे तथा लड़की के बालिग होने पर ही उसकी शादी करेंगें।

रोडवेज बसों में जल्द ही डिजिटल भुगतान की होगी शुरू सुविधा, जनता को मिलेगा लाभ

चंडीगढ़ः हरियाणा रोडवेज की बसों में जल्द ही यात्री टिकट खरीदने के लिए डिजिटल भुगतान कर सकेंगे। राज्य परिवहन विभाग ने यूपीआई (यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) व दूसरे माध्यमों से टिकटों के भुगतान के लिए क्यूआर कोड विकसित करने के लिए एक एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी है। अगले करीब दो सप्ताह में क्यूआर कोड विकसित करने की योजना है जबकि 15 अक्तूबर तक साइबर सिक्योरिटी से संबंधित कार्य होगा। इसके बाद यूपीआई व डिजिटल भुगतान के दूसरे माध्यमों से टिकट खरीदा जा सकेगा। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज के आदेश पर राज्य परिवहन विभाग क्यूआर कोड विकसित करा रहा है। यात्री के भुगतान के बाद ई-टिकट मशीन से टिकट जेनरेट हो जाएगा। मशीन के माध्यम से जो भी टिकट जेनरेट होंगे उन पर हर बार नया क्यूआर कोड प्रिंट होकर निकलेगा। इसका लाभ यह होगा कि एक यात्री संबंधित टिकट का उपयोग एक ही बार कर सकेगा। इस क्यूआर कोड में बस संख्या, कहां से कहां तक का टिकट लिया है यह ई-टिकट मशीनों के माध्यम से स्कैन करके पता चल जाएगा। ऐसे में कोई भी यात्री दूसरी बार टिकट का उपयोग नहीं कर सकेगा।

'भूपेंद्र हुड्डा वोट काटु है, बीजेपी की सरकार बनाने में की मदद', अभय चौटाला ने पूर्व सीएम पर साधा निशाना

फतेहाबाद : फतेहाबाद की जाट धर्मशाला में बुधवार को इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने 23 सितंबर को होने वाली ताऊ देवीलाल जयंती समारोह को लेकर कार्यकताओं को निमंत्रण दिया। इसके बाद वह मीडिया से भी रूबरू हुए। अभय चौटाला ने भूपेंद्र हुड्डा पर साधा निशाना अभय सिंह चौटाला ने कहा कि विधानसभा के सत्र में विपक्ष पूरी तरह से नाकाम रहा है और सरकार को घेर नहीं पाया। उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी के 37 विधायक होते तब हम बताते कि विपक्ष क्या होता है। उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा वोट काटु है और इन्होंने ही बीजेपी की सरकार बनाने में मदद की है। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि मुझे हरवाने में भी बीजेपी और कांग्रेस एक हो गई थी और यह जानती थी कि अगर अभय सिंह चौटाला जीत गया तो वह विधानसभा में किसी को बोलते नहीं देगा। वही आयुष्मान योजना को लेकर रुकी डॉक्टरों की पेमेंट को लेकर भी अभय सिंह चौटाला ने कहा कि कुछ डॉक्टर आयुष्मान योजना का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं और सरकारी पैसे का दुरुपयोग हो रहे है।

सोनीपत में जमीनी विवाद में 2 पक्षों में हुई खूनी झड़प, एक महिला की गई जान...10 लोग घायल

सोनीपत : सोनीपत जिले के गांव थाना कलां में उस समय तनाव का माहौल बन गया, जब गांव में एक प्लॉट के झगड़े में दो पक्षों में खूनी झड़प हो गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों में जमकर तेजधार हथियारों के साथ-साथ लाठी डंडे भी चले। इस विवाद में कमला नाम की महिला की हत्या हो गई। वारदात की सूचना मिलने के बाद गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया और महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल में भिजवाया गया है और अब खरखोदा थाना पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। इस झगड़े में अन्य दस के करीब महिलाओं समेत पुरुष भी घायल हुए है। प्लॉट को लेकर काफी लंबे समय से चल रहा था विवाद मिली जानकारी के अनुसार सोनीपत के गांव थाना कलां में दो पक्षों में एक प्लॉट को लेकर काफी लंबे समय से विवाद चला आ रहा था और बुधवार शाम होते-होते दोनों पक्षों में खूनी विवाद हो गया। दोनों तरफ से जमकर लाठी डंडे और तेजधार हथियारों से एक दूसरे पर हमला किया गया, जिसमें अपने मायके आई कमला नाम की महिला कमला को भी गंभीर चोट आई है और उसकी मौत हो गई। वहीं सोनीपत खरखौदा सिविल अस्पताल में तैनात चिकित्सक अधिकारी ने बताया कि हमारे पास गांव थाना कलां से दो पक्षों में झगड़ा हो कर दो पक्ष आए थे जिसमें कमला नाम की महिला की मौत हो चुकी थी जिसे पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया गया है और घायलों को ईलाज के लिए रोहतक रेफर किया गया है, कई गंभीर रूप से घायल थे।

जल्दी से निपटा लें बैंक के जरूरी काम, सितंबर में 15 दिन रहेगी बैंक की छुट्टी

सितंबर महीना शुरू होने वाला है। अगर आपको भी किसी बैंक में कोई जरूरी काम है तो आप जल्द ही काम निपटा लें। ताकि आपको किसी तरह की कोई परेशानी न हो। क्योंकि सितंबर में कितने दिन बैंक बंद रहेगा उसकी लिस्ट जारी हो गई है। हालांकि छुट्टी वाले दिनों में नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, वढक और अळट सर्विस जैसी सुविधाएं जारी रहेंगे। सितंबर में सभी बैंक कुल 15 दिन बंद रहेंगे।

यहां देखें छुट्टियों की पूरी डिटेल-

3 सितंबर, 2025- दिन मंगलवार (करमा पूजा) के चलते रांची में बैंक बंद रहेंगे।

4 सितंबर, 2025- दिन बुधवार (फर्स्ट ओणम-कोच्चि) तिरुवनंतपुरम में बैंक बंद रहेंगे।

5 सितंबर, 2025- दिन गुरुवार (ईद-ए-मिलाद) के चलते तिरुवोनम में बैंक बंद रहेंगे। वहीं गणेश चतुर्थी इंद्रजात्रा के चलते मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद समेत कई शहरों में बैंक बंद रहेंगे।

6 सितंबर, 2025- दिन शुक्रवार (इंद्रजात्रा) जिसके चलते गंगटोक, जम्मू, रायपुर और श्रीनगर में बैंक बंद रहेंगे।

12 सितंबर, 2025- दिन गुरुवार (ईद-ए-मिलाद का अगला दिन) जयपुर, जम्मू और श्रीनगर समेत कई राज्यों में बैंक बंद रहने की संभावना है।

22 सितंबर, 2025- दिन सोमवार (नवरात्र स्थापना) जयपुर समेत कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

23 सितंबर, 2025 - दिन मंगलवार (महाराजा हरि सिंह जयंती) के चलते जम्मू में बैंक बंद रहेंगे।

29 सितंबर, 2025- दिन सोमवार (महा सप्तमी) के चलते अगरतला, गुवाहाटी, कोलकाता और जयपुर में बैंक बंद रहेंगे।

30 सितंबर, 2025- दिन मंगलवार (महा अष्टमी / दुर्गा पूजा) के चलते कोलकाता, पटना, रांची, भुवनेश्वर और अगरतला समेत कई शहरों में बैंक बंद रहेंगे।

वहीं इसके अलावा 7 सितंबर, 13 सितंबर, 14 सितंबर, 21 सितंबर, 27 सितंबर और 28 सितंबर को शनिवार और रविवार की छुट्टी के चलते बैंक बंद रहेंगे।

शराब ठेके पर फायरिंगः सेल्समैन बचा, ग्राहक को लगी गोली; धमकी देकर भागे बाइक सवार

भिवानीः हरियाणा के भिवानी में गांव मंढाना स्थित शराब ठेके पर फायरिंग की घटना सामने आई है। मुंह ढककर बाइक पर आए दो बदमाशों ने सेल्समैन पर फायरिंग की। सेल्समैन तो बच गया, लेकिन शराब खरीदने आए एक ग्राहक को गोली लग गई। घटना शाम करीब 7:45 बजे की है। शराब ठेके पर सेल्समैन की नौकरी कर रहे गोहाना निवासी मंजीत को इससे पहले फोन पर धमकी मिली थी। धमकी देने वाले ने कहा था कि ठेका बंद कर दे, नहीं तो पहला दुश्मन होगा। रात को दो युवक मोटरसाइकिल पर आए। एक बाइक पर बैठा रहा, दूसरा पिस्तौल लेकर ठेके के गेट पर पहुंचा। उसने सेल्समैन पर कई फायर किए। सेल्समैन नीचे बैठकर बच गया। इस दौरान वहां शराब लेने आए मंढाना निवासी रोहताश को गोली लग गई। फायरिंग के बाद आरोपी तिगड़ाना की तरफ भाग गए। घायल रोहताश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस और क्राइम सीन टीम ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा में अब इतनी एडवांस राशि ले सकेंगे विधायक, छह साल में तीन बार हुआ बदलावम

चंडीगढ़ः हरियाणा की नायब सरकार विधायकों पर मेहरबान है। विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन पारित एक विधेयक में गाड़ी व मकान के लिए दूसरी व तीसरी बार एडवांस राशि प्राप्त करने के लिए 60 वर्ष की आयु सीमा को हटा दिया गया है। इसके अतिरिक्त विधायकों द्वारा मकान की मरम्मत आदि के लिए 10 लाख रुपये अतिरिक्त तौर पर प्राप्त करने का कानूनी प्रविधान भी कर दिया गया है। हरियाणा विधानसभा में बुधवार को हरियाणा विधानसभा (सदस्य सुविधा) द्वितीय संशोधन विधेयक 2025 सर्वसम्मति से पारित किया गया। संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा ने यह संशोधन विधेयक पेश किया, जिस पर तत्काल विचार कर सदन द्वारा उसे पारित कर दिया गया इस संशोधित कानून के माध्यम से प्रदेश के मूल कानून हरियाणा विधानसभा (सदस्य सुविधा) अधिनियम 1979 की धारा तीन को बदला गया है। छह माह पूर्व मार्च 2025 में हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान भी इस धारा को बदला गया था। पिछले छह सालों में तीन बार इसमें बदलाव हो चुका है। ताजा संशोधन के बाद हरियाणा विधानसभा का हर सदस्य अपने कार्यकाल के दौरान मकान/फ्लैट आदि खरीदने या उसके निर्माण के लिए और गाड़ी खरीदने के लिए या दोनों के लिए कुल एक करोड़ रुपये का एडवांस हरियाणा विधानसभा से ले सकेगा। इसमें यह भी प्रविधान किया गया है कि अगर विधायक एक करोड़ रुपये से कम मूल्य की गाड़ी खरीदता है तो उसे शेष बची धनराशि ही मकान/फ्लैट खरीदने/बनाने के लिए मिल सकेगी। बहरहाल, मकान/फ्लैट को बनाने/खरीदने के लिए एडवांस को ब्याज (जिसकी दर मात्र 4 प्रतिशत है) सहित लौटाने के बाद वह विधायक दूसरी बार भी इसी उद्देश्य के लिए दोबारा एडवांस लेने के लिए योग्य होगा, हालांकि उसे ताजा धनराशि पूरे एक करोड़ रुपये नहीं बल्कि एक करोड़ रुपये में से गाड़ी खरीदने हेतु ली गई एडवांस धनराशि (अगर उसने एडवांस लिया है) को कम करने के बाद ही मिलेगी ।तीसरी बार भी मकान/फ्लैट बनाने/खरीदने के लिए विधायक एडवांस ले सकेगा, अगर उसने पिछला एडवांस ब्याज सहित लौटा दिया है। हालांकि तीसरी बार विधायक को एक करोड़ रुपये में से गाड़ी खरीदने के लिए लिए गए एडवांस (अगर उसने एडवांस लिया है) को उसमें से कम कर उसका पचास प्रतिशत अर्थात आधा ही एडवांस प्राप्त होगा।

संशोधित कानून में प्रविधान है कि अगर विधायक ने मकान/फ्लैट बनाने/खरीदने के लिए एक करोड़ रुपये से कम एडवांस लिया है तो उसे शेष बची राशि के लिए मोटर का खरीदने के लिए एडवांस मिल सकेगा। कुल दो बार गाड़ी खरीदने के लिए एडवांस लिया जा सकता है।

मनीषा की श्रद्धांजलि सभा में बैरागी समाज के प्रधान बोले- 36 बिरादरी परिवार के साथ, एक सदस्य को मिले सरकारी जॉब

भिवानी : भिवानी जिले के गांव ढाणी जिले के गांव ढाणी लक्ष्मण निवासी 19 साल की युवती मनीषा की आत्मा की शांति के लिए बुधवार को उसके घर में श्रद्धांजलि सभा रखी गई। इसमें आसपास के लोग शामिल हुए। सरकार या प्रशासन का कोई अधिकारी या नेता नहीं पहुंचा। सभा में पहुंचे बैरागी समाज के प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार पंवार ने मनीषा के परिवार को सरकार से आर्थिक सहायता देने की मांग की। उन्होंने कहा कि 36 बिरादरियां पीड़ित परिवार के साथ खड़ी हैं लेकिन सरकार परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत करे। इसके लिए अगर सरकार के पास कोई प्रावधान हो तो मनीषा के परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि सी.बी.आई. इस केस में दूध का दूध और पानी का पानी करेगी। मनीषा के पिता संजय ने कहा कि उन्हें अब उम्मीद है कि बेटी को जल्द न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब सी.बी.आई. इस मामले में जल्द जांच कर चार्जशीट पेश करे। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस उन लोगों को परेशान कर रही है जिन्होंने इस मामले में उसके परिवार का साथ दिया। संजय ने कहा कि उसकी यहां के प्रशासन अपील है कि ऐसा न किया जाए। वहीं दूसरी ओर भारतीय किसान यूनियन ने अपने युवा प्रदेशाध्यक्ष रवि आजाद को पद से निष्कासित कर दिया है। रवि आजाद मनीषा के समर्थन में हुए धरने में शामिल हुए थे।

गिल, जुरेल, ईश्वरन दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से बाहर, इन प्लेयर्स को मिला कप्तानी का मौका

बेंगलुरु(एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल 2025-26 सीजन के पहले दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ नहीं खेल पाए, जो गुरुवार को BCCI के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू हुई। उत्तर क्षेत्र की टीम के कप्तान बनाए गए गिल से पहले मैच में कप्तानी करने की उम्मीद थी, लेकिन बीमारी के कारण उन्हें बाहर बैठना पड़ा। 9 सितंबर से अबू धाबी में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए रवाना होने से पहले उनके इस सप्ताह के अंत में बेंगलुरु पहुंचने की संभावना है।

गिल की अनुपस्थिति में हरियाणा के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अंकित कुमार ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली, जबकि सर्विसेज के बल्लेबाज शुभम रोहिल्ला ने उनकी जगह अंतिम एकादश में जगह बनाई। उत्तर क्षेत्र की टीम में एशिया कप के लिए जाने वाले दो अन्य खिलाड़ी हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं, जो मैच में बाद में गेंदबाजी करेंगे।

सेंट्रल जोन के खेमे को एक और झटका लगा, जहां उनके नियुक्त कप्तान, विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल कमर में दर्द की शिकायत के बाद नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए। रजत पाटीदार, जिन्हें पहले उप-कप्तान बनाया गया था, अब टीम की कमान संभाल रहे हैं। सेंट्रल जोन की प्लेइंग इलेवन में तेज गेंदबाज खलील अहमद और दीपक चाहर के साथ-साथ बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी शामिल हैं।

ईस्ट जोन को भी झटका लगा जब नियमित कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन बुखार के कारण मैच से बाहर हो गए। उनकी जगह, ऑलराउंडर रियान पराग टूर्नामेंट के पहले मैच में टीम की कप्तानी कर रहे हैं। गिल घरेलू सीजन में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में भारत का नेतृत्व किया था, जहां उन्होंने 5 मैचों में 75.40 की औसत से 754 रन बनाए थे। उन्हें आगामी एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम का उप-कप्तान भी बनाया गया है। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल 4 सितंबर से और फाइनल 11 सितंबर से एक ही स्थान पर होगा।

भारत को एशिया कप में पाकिस्तान से खेलना चाहिए? मोहम्मद शमी ने दिया सीधा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट एशिया कप 2025 के अब कुछ ही दिन बचे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर बोर्ड की स्थिति स्पष्ट है लेकिन बड़ा वर्ग चाहता है कि ये मैच ना हो खासकर कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद। टीम का हिस्सा नहीं होने के बावजूद मोहम्मद शमी अपने घर से सूर्यकुमार यादव की टीम पर नजर रखेंगे और उन्होंने भारत-पाक मैच को लेकर अपने भाव व्यक्त किए हैं।

एक मीडिया हाउस से बातचीत में शमी ने कहा, 'मैं विवादों से दूर रहता हूं। सरकार और बोर्ड फैसला करते हैं और हम उसका पालन करते हैं।' यह पूछे जाने पर कि क्या अन्य टीमों की तुलना में पाकिस्तान के खिलाफ खेलना अलग है, या इसे किसी अन्य खेल की तरह ही माना जाता है, शमी ने कहा कि यह वास्तव में अलग है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के खिलाफ खेलना प्रशंसकों के जुनून के कारण अलग है, लेकिन खिलाड़ियों के लिए यह प्रदर्शन करने के बारे में है।'

शमी से पाकिस्तान के खिलाफ खेलते समय स्लेजिंग की संभावित घटनाओं के बारे में भी पूछा गया, उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसी किसी घटना का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'किसी ने नहीं। मैं सिर्फ एक बार टेस्ट मैच में नाराज हुआ था जब कोई समय बर्बाद कर रहा था। मैंने उन्हें अपना खेल खेलने के लिए कहा। यही मेरी आक्रामकता है।'

दलीप ट्रॉफी - दानिश मालेवार और रजत पाटीदार के शतक, मध्य क्षेत्र की मजबूत शुरुआत

बेंगलुरु (एजेंसी)। विदर्भ के रणजी ट्रॉफी नायक दानिश मालेवार और अनुभवी रजत पाटीदार ने शतक जमाकर गुरुवार को यहां उत्तर पूर्व क्षेत्र के कमजोर आक्रमण की धज्जियां उड़ा दी जिससे मध्य क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के पहले दिन बारिश के कारण खेल रोके जाने से पहले 77 ओवर में दो विकेट पर 432 रन बना लिए।

पिछले सत्र में रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक लगाने वाले 21 वर्षीय मालेवार ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और दिन का खेल समाप्त होने के समय वह 198 रन बनाकर खेल रहे थे। RCB के IPL विजेता कप्तान पाटीदार ने 96 गेंदों पर 125 रन की पारी खेली।

मालेवार ने अब तक अपनी पारी में एक छक्का और 35 चौके लगाए हैं, जबकि पाटीदार ने 21 चौके और तीन छक्के लगाए। मालेवार और पाटीदार ने तब मोर्चा संभाला जब सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल (नाबाद 60) को पेट में गेंद लगने के कारण रिटायर हर्ट होना पड़ा। मालेवार ने चौका लगाकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना तीसरा शतक पूरा किया।

दूसरी तरफ पाटीदार ने शानदार कवर ड्राइव से अपना 14वां प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। वह तेज गेंदबाज फीरोइजम जोतिन की गेंद पर स्वीप करने के प्रयास में डीप स्क्वायर लेग बाउंड्री पर अंकुर मलिक को कैच देकर पवेलियन लौटे। पाटीदार के आउट होने के बाद मालेवार और उनके रणजी साथी यश राठौड़ ने तीसरे विकेट के लिए 85 रन की अटूट साझेदारी की। जब बारिश के कारण खेल रुका तब राठौड़ 32 रन बनाकर खेल रहे थे।

ऑलराउंडर विजय शंकर अब तमिलनाडु से नहीं खेलेंगे

चेन्नई (एजेंसी)। ऑलराउंडर विजय शंकर अब आने वाले घरेलू सत्र 2025-26 में तमिलनाडु की ओर से नहीं खेलेंगे। विजय शंकर ने राज्य की टीम छोड़ने की जानकारी तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन (टीएनसीए) को देते हुए नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (अनापत्ति प्रमाण पत्र) मांगा था जो उन्हें दे दिया गया है। इस क्रिकेटर ने बुची बाबू टूर्नामेंट में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मैच में खेला था पर महाराष्ट्र के खिलाफ दूसरे मैच में शामिल नहीं किये जाने से नाराज होकर इस क्रिकेटर ने टीम छोड़ने का फैसला कर लिया हालांकि इस क्रिकेटर का कहना है कि उसने बेहतर अवसरों के लिए ये टीम छोड़ी है। अब माना जा रहा है कि ये ऑलराउंडर किसी और राज्य से खेलेगा।

विजय शंकर ने ये फैसला अचानक ही नहीं लिया है। 2024-25 के घरेलू सत्र में भी उसे रणजी ट्रॉफी में पहले दो मैच ही खेलने को मिले थे। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के अधिकतर मुकाबलों में उसे अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। जिसके बाद से ही वह दूसरी टीम से खेलने की सोचने लगे थे। इस फैसले के साथ तमिलनाडु के साथ शंकर का एक दशक से अधिक समय का साथ समाप्त हो गया। उनकी कप्तानी में टीम ने विजय हजारे, देवधर और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी।

दिसंबर 2012 में रणजी ट्रॉफी डेब्यू के बाद उन्हें मध्य क्रम में एस बद्रीनाथ की जगह मिली थी। इस खिलाड़ी ने तमिलनाडु के लिए रणजी ट्रॉफी की 81 पारियों में 44.25 की औसत से 3142 रन बनाए जिसमें 11 शतक और 16 अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने अपनी मध्यम गति की तेज गेंदबाजी से 53.93 की औसत से 43 विकेट भी हासिल किए। उनके लिए 2014-15 में रणजी सीजन बेहतरीन बीता जब उन्होंने 11 पारियों में 57.70 की औसत से 577 रन बनाए।

इसके बाद उन्हें इंडिया ए में जगह मिली ओर फिर 2019 के एकदिवसीय विश्वकप में शामिल किया गया। साल 2024-25 के रणजी सत्र में उन्होंने सेलम में चंडीगढ़ के खिलाफ 171 गेंदों पर 150 रनों की नाबाद पारी खेली जो कि उनके रणजी करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी भी रही है। शंकर से पहले कप्तान बी अपराजित भी तमिलनाडु का साथ छोड़कर केरल चले गये थे।

शंकर के जाने से अब टीम के पास आर एस अम्ब्रिश के तौर पर एक विकल्प है। इस खिलाड़ी ने इंग्लैंड में अंडर-19 में शानदार प्रदर्शन किया था। शंकर का जाना नए सत्र से पहले तमिलनाडु के लिए एक और बड़ा झटका है क्योंकि आर साई किशोर हाथ की चोट से उबर रहे हैं।

पीवी सिंधु ने वर्ल्ड नंबर 2 खिलाड़ी वांग झीयी को हराया, बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

स्पोर्ट्स डेस्क - दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने गुरुवार को BWF विश्व चैंपियनशिप में विश्व की नम्बर 2 खिलाड़ी वांग झीयी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। सिंधु ने झीयी सीधे सेटों में हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया। ओलिंपिक में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकीं सिंधु ने वर्ल्ड नंबर-2 वांग झी के खिलाफ अपना दबदबा कायम रखा। सिंधु ने 5वें हेड टु हेड मैच में वांग को तीसरी बार हराया। वर्ल्ड नंबर 15 सिंधु ने पहला गेम कड़ी टक्कर के बाद 21-19 के अंतर से जीता। दूसरे गेम में भी सिंधु ने 12-6 के अंतर से बढ़त बनाने के बाद इसे कायम रखा। अंत में सिंधु ने दूसरा सेट 21-15 के अंतर से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। अब क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना विश्व की नम्बर 1 बैडमिंटन खिलाड़ी साउथ कोरिया की आन से यंग से हो सकता है।

संजू सैमसन ने फिर किया कमाल, शतक के बाद ठोकी 2 फिफ्टी

स्पोर्ट्स डेस्क ।केरल क्रिकेट लीग में संजू सैमसन आए दिन अपने बल्ले से धमाल मचा रहे हैं। वह लगातार एक से बढ़कर एक पारियां खेल रहे हैं। संजू ने अपने प्रदर्शन से एशिया कप 2025 से पहले ही संजू सैमसन ने भारतीय टीम मैनेजमेंट और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की मुश्किल बढ़ा दी है। फिलहाल, एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में ओपनिंग के लिए 3 खिलाड़ियों में जंग देखने को मिल रही है। उपकप्तान शुभमन गिल के साथ अभिषेक शर्मा या फिर संजू सैमसन पारी का आगाज कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे थे कि हेड कोच गंभीर लेफ्ट राइट कॉम्बिनेशनल को तरजीह दे सकते हैं। ऐसे में संजू को बाहर बैठना पड़ता। अब संजू ने केरल क्रिकेट लीग में खुद को साबित कर गंभीर और सूर्या को विचार करने पर मजबूर कर दिया है। इस लीग में संजू ने अब तक तूफानी अंदाज में 1 शतक के साथ दो अर्धशतक भी ठोके। लीग के 15वें मुकाबले में कोच्चि ब्लू टाइगर्स का सामना अदानी त्रिवेंद्रम रॉयल्स से हुआ। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोच्चि ब्लू टाइगर्स को संजू सैमसन और विनूप मनोहरन ने तेज शुरुआत दिलाई। संजू ने 167.57 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 37 गेंदों पर 62 रन कूट दिए। इस दौरान संजू ने 4 चौके और 5 सिक्स लगाए। संजू के इस अर्धशतक की बदौलत कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाए।

भारतीय टीम के टी20 विश्वकप जीतने की संभावना नहीं : श्रीकांत

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे के श्रीकांत ने कहा है कि भारत की जो वर्तमान टीम है उससे अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप को जीता नहीं जा सकता है। श्रीकांत ने कहा कि एशिया कप में ही ये टीम जीत सकती है। श्रीकांत ने कहा, हम इस टीम के साथ एशिया कप तो जीत सकते हैं पर टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि छह माह बाद होने वाले विश्व कप की तैयारी इस टीम के साथ करने से कोई लाभ नहीं होने वाला। माना जा रहा है कि श्रीकांत एशिया कप क लिए चयनित टीम से नाराज हैं। अक्षर पटेल को हटाकर शुभमन गिल को टीम में उपकप्तान बनाने पर भी सवाल उठाये हैं। साथ ही कहा कि रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा को टीम में शामिल करने का फैसला भी गलत है। उन्होंने कहा, । अक्षर पटेल को उप-कप्तानी से हटा दिया गया है। मुझे नहीं पता कि रिंकू, शिवम और हर्षित कैसे टीम में आ गए। आईपीएल को चयन का मुख्य मानदंड माना जाता है पर लगता है कि चयनकर्ताओं ने उससे पहले के प्रदर्शन पर विचार किया है। श्रीकांत ने कहा कि 5वें नंबर के लिए भी टीम के पास बल्लेबाज नहीं है। उन्होंने कहा, पांचवें नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा? पांचवें नंबर पर संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे या रिंकू सिंह में से किसी एक को रखा जाएगा। हार्दिक पांड्या आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, इसलिए अब अक्षर छठे नंबर पर बल्लेबाजी नहीं कर सकते।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ने पाकिस्तान के हॉकी एशिया कप से बाहर होने की वजह बताई

भुवनेश्वर (ओडिशा) (एजेंसी)। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप कुमार तिर्की ने हॉकी पुरुष एशिया कप 2025 में पाकिस्तान और ओमान पुरुष हॉकी टीमों के भाग न लेने के कारणों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है, जबकि ओमान के निजी कारणों से प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया गया है। बिहार के राजगीर में होने वाले आगामी एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में कुछ बदलाव हुए हैं जिसमें पाकिस्तान और ओमान ने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। 29 अगस्त से 7 सितंबर तक होने वाले इस आयोजन में अब बांग्लादेश और कजाकिस्तान की टीमें भाग लेंगी। पाकिस्तान, जो पारंपरिक रूप से एशियाई हॉकी के सबसे बड़े नामों में से एक है, भाग नहीं लेगा जिससे बांग्लादेश के लिए जगह बनाने का रास्ता साफ हो गया है। ओमान ने भी भाग न लेने का फैसला किया है और कजाकिस्तान ने उनकी जगह ले ली है।

हॉकी पुरुष एशिया कप 2025 से बाहर रहने वाली टीमों के बारे में दिलीप तिर्की ने बताया, 'हॉकी पुरुष एशिया कप 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के नवनिर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में 8 टीमें भाग लेंगी... इस टूर्नामेंट के बेहद सफल होने की उम्मीद है... बिहार सरकार इस टूर्नामेंट के लिए भरपूर सहयोग दे रही है... पाकिस्तान सुरक्षा कारणों से और ओमान अपने निजी कारणों से इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले रहा है।' पुरुष एशिया कप बिहार के राजगीर में आठ शीर्ष एशियाई देश भारत, जापान, चीन, कजाकिस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे हिस्सा लेंगे। यह आयोजन 2026 एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफायर के रूप में भी काम करता है जिससे हर खेल में अतिरिक्त तीव्रता और महत्व जुड़ जाता है। मेजबान भारत को जापान, चीन और कजाकिस्तान के साथ पूल ए में रखा गया है। वे 29 अगस्त को चीन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे उसके बाद 31 अगस्त को जापान से भिड़ेंगे और 1 सितंबर को कजाकिस्तान के खिलाफ उनका अंतिम पूल मैच होगा।

दानिल मेदवेदेव कोर्ट पर फोटोग्राफर के आने से गुस्साए, रैकेट भी तोड़ा, लगा 42500 डॉलर का भारी जुर्माना

न्यूयॉर्क ।अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मिली हार के बीच कोर्ट पर एक फोटोग्राफर के आने पर अपना गुस्सा उतारने वाले रूस के मेदवेदेव पर उनकी मैच फीस 110000 डॉलर का एक तिहाई से भी अधिक 42500 डॉलर जुर्माना लगाया गया है। टूर्नामेंट रैफरी जैक गार्नर ने खेल भावना के विपरीत आचरण पर मेदवेदेव पर 30000 डॉलर और रैकेट तोड़ने पर 12500 डॉलर जुर्माना लगाया। मैच खत्म होने के बाद मेदवेदेव ने अपना रैकेट तोड़ दिया था। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रह चुके मेदवेदेव उस समय नाराज हो गए जब चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ ने फोटोग्राफर द्वारा बाधा पहुंचाये जाने के बाद विरोधी खिलाड़ी बेंजामिन बोंजी को पहले सर्विस की अनुमति दे दी। बोंजी उस समय तीसरे सेट में 5.4 से आगे थे जब एक फोटोग्राफर कोर्ट के साइड में चलने लगा। बाद में उसकी मान्यता रद्द कर दी गई। चेयर अंपायर ने फोटोग्राफर को बाहर जाने के लिए कहा और उसके बाद बोंजी को फिर सर्विस दे दी।

आज से राजगीर में शुरू होगा एशिया कप 2025, आठ प्रमुख टीमें इस टूर्नामेंट में लेंगी भाग

पटना (एजेंसी)। इंतज़ार खत्म हुआ क्योंकि 10 दिवसीय हीरो पुरुष एशिया हॉकी कप 2025 कल से बिहार के राजगीर में हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती पर 'राष्ट्रीय खेल दिवस' पर शुरू होने वाला है। यह हॉकी एशिया कप का 12वाँ संस्करण है जिसमें आठ शीर्ष एशियाई देश - भारत, जापान, चीन, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे - हिस्सा लेंगे। सभी टीमें राजगीर पहुँच चुकी हैं जहाँ वे एशिया कप 2025 के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। राजगीर के विभिन्न होटलों में खिलाड़ियों के ठहरने के लिए पर्याप्त सुविधाएँ और सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जबकि भारतीय हॉकी टीम के सदस्य खेल परिसर में ठहरेंगे।

सभी मैच कल यानी 29 अगस्त से राजगीर स्थित अंतर्राष्ट्रीय खेल परिसर में खेले जाएँगे और 7 सितंबर, 2025 को समाप्त होंगे। यह आयोजन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 2026 एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफायर के रूप में कार्य करता है, जिसने प्रत्येक खेल को और अधिक गहन और महत्वपूर्ण बना दिया है।

11 संस्करणों में से, गत विजेता कोरिया ने 5 बार एशिया कप जीता

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक-सह-सीईओ रवींद्रन शंकरन ने कहा, 'यह पहली बार है कि पुरुष एशिया हॉकी कप बिहार के राजगीर में आयोजित किया जा रहा है। यह एशिया कप का 12वाँ संस्करण है जिसमें आठ टीमें भाग ले रही हैं।'

उन्होंने बताया कि अब तक आयोजित 11 संस्करणों में से, गत विजेता दक्षिण कोरिया पुरुष एशिया कप में भाग लेने वाली सबसे सफल टीम है, क्योंकि उसने 1994, 1999, 2009, 2013 और 2022 में पाँच बार खिताब जीता है, जबकि मेज़बान भारत ने 2003, 2007 और 2017 में कप जीता है और पाकिस्तान ने भी 1982, 1985 और 1989 में तीन बार यह खिताब जीता है। हॉकी प्रशंसकों को स्टेडियम में मैच देखने के लिए आकर्षित करने हेतु, हॉकी इंडिया ने पहले ही घोषणा कर दी है कि राजगीर में होने वाले एशिया कप के सभी मैचों में प्रवेश निःशुल्क होगा।

हॉकी मैच देखने के लिए निःशुल्क टिकट

प्रशंसक www.ticketgenie.in या हॉकी इंडिया ऐप पर जाकर अपने निःशुल्क टिकट के लिए पंजीकरण कर सकते हैं, जहाँ प्रक्रिया पूरी होने पर उन्हें एक वर्चुअल टिकट प्राप्त होगा। आयोजन स्थल पर किसी भी तरह की भीड़भाड़ से बचने और प्रशंसकों को बिना किसी खर्च के विश्वस्तरीय हॉकी के रोमांच का आनंद लेने के लिए ये व्यवस्थाएँ की गई हैं, जिससे यह खेल पहले से कहीं अधिक सुलभ हो गया है।

कुल 24 मैच खेले जाएँगे; चार मैच 29 अगस्त को पहले दिन खेले जाएँगे।

मेजबान भारत को पूल ए में जापान, चीन और कज़ाकिस्तान के साथ रखा गया है। वे अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को चीन के खिलाफ करेंगे, उसके बाद 31 अगस्त को जापान से और 1 सितंबर को कज़ाकिस्तान के खिलाफ अपना अंतिम पूल मैच खेलेंगे। पूल ए में, भारत-चीन मैच के अलावा, जापान और कज़ाकिस्तान भी पहले दिन भिड़ेंगे। जबकि, पूल बी में मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे शामिल हैं। उद्घाटन मैच मलेशिया और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा, जबकि पहले दिन का दूसरा मैच कोरिया और चीनी ताइपे के बीच खेला जाएगा।

हॉकी के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से बिहार के विभिन्न जिलों और देश के विभिन्न राज्यों में 'ट्रॉफी गौरव यात्रा' निकाली गई है। यह यात्रा 29 अगस्त को राजगीर पहुँचकर समाप्त होगी। 7 सितंबर, 2025 को होने वाले फाइनल मैच तक कुल 24 मैच खेले जाएँगे।

बिहार में पुरुष हॉकी एशिया कप की

मेजबानी, गर्व की बात

हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी को बिहार के लिए गर्व की बात बताते हुए, शंकरन ने कहा कि 'यह (एशिया कप की मेजबानी) न केवल राज्य की अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की क्षमता को प्रदर्शित करेगा, बल्कि पर्यटन, कला और संस्कृति के क्षेत्र में बिहार की वैश्विक छवि को भी मज़बूत करेगा।' शंकरन ने कहा, 'राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का विश्व स्तरीय हॉकी स्टेडियम इस आयोजन को और भी भव्य बना देगा। हीरो एशिया कप 2025 का आयोजन बिहार के लिए ऐतिहासिक है, जो राज्य को खेल, संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक मंच पर स्थापित करेगा।'

बिहार द्वारा आयोजित प्रमुख खेल आयोजन

राजगीर स्थित खेल परिसर ने बिहार को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई है क्योंकि राज्य पहले ही कई टूर्नामेंट/चैंपियनशिप का सफलतापूर्वक आयोजन कर चुका है, जैसे नवंबर 2024 में महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी, जिसमें छह टीमों - भारत, मलेशिया, जापान, चीन, थाईलैंड और कोरिया - ने भाग लिया था। इस वर्ष मई (2025) में खेलो इंडिया यूथ गेम्स राजगीर सहित पाँच शहरों में आयोजित किए गए, जहाँ प्रमुख आयोजन हुए। सेपक टकराव विश्व कप 2025 पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित किया गया था।

बदले हुए प्रारुप में आज से शुरु होगा प्रो कबड्डी लीग का 12 वां सत्र

विशाखापत्तनम ।प्रो कबड्डी लीग का 12 वां सत्र शुक्रवार से शुरु होने जा रहा है। ये सत्र विशाखा स्पोर्ट्स क्लब, विशाखापत्तनम में शुरू होगा। इसका पहला मुकाबला तेलुगु टाइटंस और तमिल थलाइवाज के बीच होगा। इस सत्र के लिए इसी प्रकार टाई-ब्रेकर के नियमों को भी बदला गया है। जिससे भी इस लीग का रोमांच बढ़ेगा। लीग को लेकर इसमें शामिल सभी टीमों के कोच उत्साह से भरे हैं और सभी ने अपनी-अपनी टीमों की जीत का दावा किया है। बेंगलुरु बुल्स में शामि बीसी रमेश ने कहा, 'मेरे ऊपर बेहतर प्रदर्शन का दबाव है। प्रशंसकों को उम्मीद है कि टीम अच्छा करेगी।' बेंगलुरु बुल्स का पिछले साल प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था इसके बाद पूरी टीम बदल दी गई है।' तमिल थलाइवाज़ के कोच संजीव बालयन ने कहा कि उनकी टीम जीत के लिए बिना किसी दबाव के उतरेगी। उन्होंने कहा, 'हर कोच जीतना चाहता है. हम भी वहीं चाहते हैं पर वही टीम जीतेगी जो दबाव से उबरकर बेहतर खेलेगी।' मौजूदा चैंपियंस हरियाणा स्टीलर्स के मुख्य कोच मनप्रीत सिंह ने कहा, 'लीग बड़ी हो रही है और प्रारुप में बदलाव से कबड्डी को लाभ होगा। ये प्रारुप बहुत अच्छा है क्योंकि इसमें जो टीमें पीछे भी रह जाती हैं, उनके पास वापसी का अवसर रहता है। हम पूरी कोशिश करेंगे कि अपनी ट्रॉफी का बचाव कर सकें। टीम भी पिछली बार से बेहतर हुई है।' वहीं पटना पाइरेट्स के कोच अनूप कुमार ने कहा, 'हमारी टीम काफी अच्छी रही है पर इससे यह एक तरह का दबाव भी है। खिलाड़ी बदलते रहते हैं। जब पटना ने लगातार तीन सत्र जीते, तब टीम अलग थी, कोच अलग थे जब दो बार फाइनल में पहुंचे, तब भी टीम अलग थी। ये सीजन एक नया सीजन है. कुछ खिलाड़ी बदले हैं तो कुछ पिछले सीजन से हैं. कोच भी बदला है. यही प्रयास यह है कि इस बार अच्छी शुरुआत हो और जो टीम पिछले सीजन में नहीं कर पाई, वो इस बार कर दिखाए।.' बंगाल वॉरियर्स के कोच नवीन कुमार ने कहा कि उनकी युवा टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, 'हमने एक युवा टीम बनायी है जो अपने को साबित करेगी।' पुनेरी पलटन के कोच अजय ठाकुर ने कहा, 'मैं फिटनेस पर बहुत काम कर रहा हूं. मुझे लगता है जो टीम कम डिफेंसिव गलतियां करती है, वही जीतती है। मैं कोशिश कर रहा हूं कि हमारी डिफेंस मजबूत हो।'

हैवान-हेरा फेरी 3 और इस फिल्म के बाद रिटायरमेंट की तैयारी में प्रियदर्शन

प्रियदर्शन इंडस्ट्री के चर्चित निर्माता-निर्देशक हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्मों हैवान और हेरा फेरी 3 को लेकर चर्चा में हैं। प्रियदर्शन अब फिल्म मेंकिंग से रिटायरमेंट लेने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुद उन्होंने ऐसी इच्छा जाहिर की। उन्होंने हैवान और हेरा फेरी 3 को पूरा करने के बाद फिल्म निर्माण से संन्यास लेने की अपनी योजना का खुलासा किया है।

कोच्चि में चल रही हैवान की शूटिंग

निर्देशक प्रियदर्शन ने फिल्म हैवान की शूटिंग शुरू कर दी है। इसे फिलहाल कोच्चि में फिल्माया जा रहा है। इस फिल्म में अक्षय कुमार अभिनेता सैफ अली खान के साथ नजर आएंगे। हैवान, प्रियदर्शन की 2016 की हिट फिल्म ओप्पम से प्रेरित है, लेकिन इसके डायलॉग और स्क्रिप्ट में कई बदलाव किए गए हैं। इस बीच निर्देशक ने अपनी फ्यूटर प्लानिंग को लेकर बात की।

मोहनलाल के साथ बनाएंगे 100वीं फिल्म

फिल्म हैवान प्रियदर्शन की 99वीं फिल्म है। ओप्पम में मुख्य भूमिका निभाने वाले मोहनलाल भी हैवान में कैमियो भूमिका में दिखाई देंगे। हाल ही में प्रियदर्शन ने बातचीत में खुलासा किया कि उनका किरदार दर्शकों के लिए एक सरप्राइज होगा। उन्होंने आगे कहा कि हैवान के बाद वे मोहनलाल को लीड रोल में लेकर अपनी 100वीं फिल्म का निर्देशन करने की प्लानिंग कर रहे हैं। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट अभी तय नहीं हुई है, लेकिन इसकी शूटिंग अगले साल शुरू होने की उम्मीद है।

थक गया हूं

प्रियदर्शन से जब लगातार अक्षय कुमार के साथ काम करने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, यह सब कंफर्ट की बात है। सीक्वल के बारे में उन्होंने स्वीकार किया, मैं आमतौर पर सीक्वल के साथ अपनी मूल फिल्मों की नकल नहीं करता, यह मेरा काम करने का पसंदीदा स्टाइल नहीं है। उन्होंने चौंकाने वाली टिप्पणी करते हुए आगे कहा, इन फिल्मों को पूरा करने के बाद मैं उम्मीद है मैं रिटायर हो जाऊंगा। मैं थक गया हूं।

भरोसा तो मेरा बहुत पहले टूट चुका था

अब रियलिटी शो पर नजर आएंगी धनश्री

'बिग बॉस 19' की चर्चा के बीच एक रियलिटी शो लाइमलाइट में है। 'राइज एंड फॉल' नाम का यह शो जल्द शुरू होगा। हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमें क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की एक्स वाइफ और कोरियोग्राफर धनश्री भी नजर आईं। इस शो के ट्रेलर में वह धोखे और विश्वास टूटने की बात करती दिखाई दीं।

धोखे की बात करती दिखीं धनश्री

शो के ट्रेलर में अशनीर ग्रोवर नजर आते हैं, जो शो का कॉन्सेस्ट बताते हैं। इस बीच धनश्री नजर आती हैं, जो कहती हैं, 'भरोसा तो मेरा बहुत पहले ही टूट चुका था।' धनश्री के हाथ में क्रिकेट बॉल भी है। क्या इसके जरिए वह अपने एक्स हसबैंड और क्रिकेटर युजवेंद्र चहल पर तंज कस रही हैं।

एंटरप्रेन्योर अशनीर ग्रोवर शो 'राइज एंड फॉल' के ट्रेलर में इसका कॉन्सेप्ट बताते हैं। वह कहते हैं, 'दोगले लोग तो बहुत देखे होंगे आपने। आपको एक दोगली दुनिया दिखाता हूं। 16 सेलिब्रिटी और दो हिस्सों में बंटा हुआ शो। ऊपर पेंटहाउस में रूलर करने ऐश और नीचे बेसमेंट में वर्कर्स पर टूटेगा सारा काम।' इस तरह शो में दो दुनिया दिखाई जाएगी। वर्कर ऊपर वाली दुनिया में आना चाहगा और रूलर कभी भी नीचे वाली यानी बेसमेंट की दुनिया में नहीं जाना चाहेगा। लेकिन सभी कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे को धोखा देकर ऐसा करेंगे और शो में बने रहेंगे। इस शो में धनश्री, अर्जुन बिजलानी, कॉमेडियन कीकू शारदा और कुब्रा सेठ के अलावा कई सेलिब्रिटी शामिल होंगे। 'राइज एंड फॉल' रियलिटी शो अमेजन एमएक्स प्लेयर पर 6 सितंबर से दर्शकों को देखने को मिलेगा। शो के ट्रेलर को देखकर अर्जुन बिजलानी, धनश्री के फैंस काफी एक्साइटेड नजर आए। सोशल मीडिया पर वह इस ट्रेलर पर रिएक्शन दे रहे हैं और अपने फेवरेट सेलिब्रिटी को सपोर्ट कर रहे हैं।

अवनीत कौर की फिल्म 'लव इन वियतनाम' का ट्रेलर रिलीज

फिल्म 'लव इन वियतनाम' में प्यार की कहानी देश की सीमाओं को पार करके एक खूबसूरत दुनिया से दर्शकों को रूबरू कराएगी। इस फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन भी हैं। फिल्म में लव ट्राइएंगल है, जो इन तीनों के किरदार के बीच बनता है।

फिल्म 'लव इन वियतनाम' के ट्रेलर में पंजाब से शुरू होकर कहानी वियतनाम तक पहुंचती है। एक लड़का (शांतुन) और लड़की (अवनीत कौर) बचपन से एक-दूसरे को जानते हैं। लड़की की ख्वाहिश बड़े होकर लड़के की दुल्हन बनने की है। लेकिन लड़के पिता बड़े होने पर उसे वियतनाम भेज देते हैं। वियतनाम पहुंचकर उसे एक तस्वीर देखकर अनजान वियतनामी लड़की (खा नागन) से प्यार हो जाता है। लेकिन असल में वह उससे मिला भी नहीं है। इस वजह से पंजाबी की लड़की और उसकी दोस्त का दिल टूट जाता है। आखिरी ये प्रेम कहानी किस अंजाम पर जाकर खत्म होगी, यही फिल्म में दिखाया जाएगा। फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी और वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन के अलावा फरीदा जलाल, गुलशन ग्रोवर, राज बब्बर जैसे नामी कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में पंजाब और वियतनाम की खूबसूरत लोकेशन भी नजर आएंगी।

कब रिलीज हो रही है फिल्म

फिल्म 'लव इन वियतनाम' ने जल्द ही सिनेमाघरों में पहुंचेगी। ओमांग कुमार, कैप्टन राहुल बाली प्रोड्यूस और राहत शाह काजमी निर्देशित यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को थिएटर में रिलीज होगी।

विक्रम भट्ट के एक और प्रोजेक्ट में सनी लियोनी की एंट्री

सनी लियोनी ने जिस्म 2, रईस, तेरा इंतजार और एक पहेली लीला जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। वेब सीरीज में भी वे नजर आ चुकी हैं। पोस्ट शेयर कर उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट पर डिटेल शेयर की हैं, जिसकी शूटिंग शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें वे निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ काम करेंगी।

सनी ने जताई विक्रम भट्ट के साथ काम करने की खुशी

सनी लियोनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ नजर आ रही हैं।सनी ने इसके साथ कैप्शन लिखा है, अपने पसंदीदा निर्देशकों में से एक के साथ फिर से काम करने का मौका मिला है। चलिए कुछ जादू करते हैं।

सीरीज अनामिका में साथ कर चुके हैं काम

बता दें कि इससे पहले सनी लियोनी विक्रम भट्ट के साथ वेब सीरीज अनामिका में काम कर चुकी हैं, जो साल 2022 में आई थी। एक्शन से भरपूर यह जासूसी थ्रिलर वेब सीरीज एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है। इसका निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया।

नेटिजन्स ने दी बधाई

सनी और विक्रम के आगामी प्रोजेक्ट को लेकर नेटिजन्स रिएक्शन दे रहे हैं। दोनों को बधाई दे रहे हैं। सनी लियोनी के बॉलीवुड करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में आई फिल्म जिस्म 2 से डेब्यू किया था। हालांकि, वो साल 2011 में ही चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस में आकर भारत में अपनी पहचान बना चुकी थीं। सनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा था, लेकिन एडल्ट इंडस्ट्री में काम करने के लिए उन्होंने अपना नाम सनी लियोनी रख लिया।

किरदार को जीवंत बनाने के लिए नहीं किया प्रोस्थेटिक्स का इस्तेमाल

विवेक अग्निहोत्री और पल्लवी जोशी की फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' अपनी रिलीज से पहले ही विवादों में घिर गई है। कोलकाता में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च में काफी हंगामा हुआ था। अब फिल्म की प्रोड्यूसर और अभिनेत्री पल्लवी जोशी ने अमर उजाला से खास बातचीत में फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे की अपने किरदार के लिए तैयारी। 'द बंगाल फाइल्स' में पल्लवी जोशी ने एक 100 साल की महिला का किरदार निभाया है। जब उनसे किरदार की तैयारी और चुनौतियों को लेकर सवाल किया गया, तो अभिनेत्री कहा कि यह रोल मेरे लिए बहुत अनोखा और चुनौतीपूर्ण था। एक सदी का सफर झेल चुकी महिला की आत्मा को पकड़ना आसान नहीं था। डर भी लगता था कि मैं इसे सही तरह से निभा पाऊंगी या नहीं। उन्होंने कहा कि मैंने विवेक से भी कई बार कहा था कि इस रोल के लिए सही कास्ट होनी चाहिए, वरना यह फिल्म के लिए सही नहीं होगा। लेकिन आखिरकार मुझे ही करना पड़ा और जब ऑडियंस की प्रतिक्रिया देखी, तो लगा कि मेहनत सफल रही। सबसे खास बात ये है कि पल्लवी ने अपने किरदार के लिए प्रोस्थेटिक्स का इस्तेमाल नहीं किया है। इसके पीछे की वजह के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि हम चाहते थे कि यह किरदार बहुत नेचुरल लगे, जैसे हमारी दादी या बुआ होती थीं। प्रोस्थेटिक्स से अक्सर चेहरे के भाव सीमित हो जाते हैं। हॉरर शोज में वह ठीक है, लेकिन हमें एक सहज, घरेलू और प्यारी महिला चाहिए थी। साथ ही सच कहूं तो बड़े-बजट वाले प्रोस्थेटिक आर्टिस्ट हायर करना हमारे लिए संभव नहीं था। बंगाल जाकर शूटिंग भी नहीं कर पाए, इसलिए बड़ा सेट बनाना पड़ा जिससे लागत और बढ़ गई। ऐसे में मेकअप और वीएफएक्स के साथ ही किरदार को गढ़ा गया। हमारी कोशिश थी कि किरदार की आत्मा झलके।

रीजनल सिनेमा में अलग तरह के कंटेंट पर फिल्म बनाने की पूरी आजादी होती है

अजय देवगन ने जब नई स्टारकास्ट के साथ गुजराती फिल्म वश का हिंदी रीमेक शैतान बनाया, तो फिल्म की मुख्य अदाकारा जानकी बोडीवाला को रिप्लेस नहीं कर सके। वश में आर्या और शैतान में जाह्नवी के रोल में जानकी ने गुजराती और हिंदी दोनों ही भाषाओं के दर्शकों का दिल जीता। अब वह वश लेवल 2 में नजर आने वाली हैं। यह 2023 में आई वश का ही सीक्वल है। फिल्म 27 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड और गुजराती फिल्मों में काम करने के अपने अनुभव, दोनों इंडस्ट्री के बीच अंतर पर खुलकर बात की। जानकी ने माना कि रीजनल सिनेमा में अलग तरह के कंटेंट पर फिल्म बनाने की पूरी आजादी होती है, जबकि बॉलीवुड में बहुत हद तक यह मुमकिन नहीं हो पाता।

आप मेडिकल बैकग्राउंड से हैं, तो अचानक फिल्मों में आना कैसे हुआ?

मैं मतलब डॉक्टर बैग्राउंड से होने वाली थी। मगर मैंने वह पढ़ाई कम्पलीट नहीं की। इसी दौरान मुझे मेरे डायरेक्टर कृष्णदेव याग्निक (डेब्यू फिल्म के निर्देशक) मिल गए जिन्होंने मुझे गुजरात में पहचान दिलाई। यह उनका ही फैसला था कि वह मुझे अपनी पहली फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं। और उन्होंने ही फिल्म वश भी बनाई जिसके लिए ना सिर्फ मुझे पूरे देश में पहचान मिली, बल्कि राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

अभी आप वश 2 में काम कर रही हैं जो हिंदी में रिलीज हो रही है। बाद में हो सकता है कि आप शैतान के सीक्वल में भी हों, तो आपके लिए कितना चैलेंजिंग होगा उस समय, क्योंकि लोग वश 2 देख चुके होंगे?

शैतान का अंत गुजराती फिल्म वश से अलग था। तो शायद वह अपना एक अलग यूनिवर्स क्रिएट करेंगे। हालांकि उसके बारे में मुझे कुछ ज्यादा मालूम नहीं है, लेकिन हां, मुझे दोनों फिल्मों में काम करके बहुत अच्छा लगा, बहुत मजा आया। इतने बड़े-बड़े एक्टर्स के साथ काम किया, बहुत कुछ सीखने को भी मिला।

आप गुजरात फिल्म इंडस्ट्री के विकास को किस तरह से देखती हैं?

रीजनल सिनेमा में अच्छी बात यह होती है कि हमारे पास बहुत अलग-अलग तरह का कंटेंट ट्राय करने का स्पेस होता है। रीजनल सिनेमा में हमारे पास एक आज़ादी होती है और यही वजह है कि हम बहुत कुछ नया बना सकते हैं। मुझे रीजनल सिनेमा की यह बात बहुत अच्छी लगती है।

हिंदी हो या गुजराती, आपको कई सीनियर एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। आपका कैसा अनुभव रहा?

मुझे जब पता चला कि हीतू कनोडिया (गुजरात सिनेमा के जाने-माने कलाकार) फिल्म में मेरे पिता का रोल अदा करने वाले हैं और फिल्म में हितेन कुमार भी होंगे, तो मैं पहले तो अंदर से हिल गई थी। दरअसल, जब इतने बड़े एक्टर्स आपके साथ काम कर रहे होते हैं तो आपको परफॉर्म करना ही पड़ता है। ऐसे में मेरे पास भी तब परफॉर्म करने के अलावा कोई और ऑप्शन ही नहीं था। मगर यहां भी मेरी सफलता का क्रेडिट मेरे डायरेक्टर को जाता है जिन्होंने मुझे सिखाने के लिए वर्कशॉप करवाई और कॉन्फिडेंस दिया कि मैं कर सकती हूं।

अजय देवगन के साथ काम का कैसा एक्सपीरियंस कैसा था?

उनके साथ काम करने का अनुभव भी बहुत बढ़िया रहा। मैंने तो उम्मीद ही नहीं की थी कि वह मुझे उस स्तर का कम्फर्ट महसूस करवाएंगे, क्योंकि वह मेरी पहली हिंदी फिल्म थी। जिस हिसाब से मुझे वहां लोगों का ट्रीटमेंट मिला, खासकर एक्टर्स से, वह काफी अच्छा और यादगार था। उन्होंने मुझे महसूस ही नहीं होने दिया कि मैं एक न्यूकमर हूं। वहां मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और इन सभी सीनियर कलाकारों से मिली सीख को मैं अपनी आगे की फिल्मों में अप्लाई करूंगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।